RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः342, बुधवार, 28 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

गणतंत्र दिवस पर परिवहन विभाग की 'राह-वीर' झांकी ने दिया जीवन रक्षक संदेश 03

इतिहास की ऊँचाई, व्यवस्था की गहराई में दबी केसरिया बौद्ध स्तूप, जिस पर दुनिया को ... 04

बॉर्डर 2 में वरुण धवन के साथ प्रमुख भूमिका में आईं नजर मेधा राणा... 07

बजट सत्र से पहले सरकार ने की सर्वदलीय बैठक

- 35+पार्टियों के सांसद शामिल, 28 से शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने विधायी और अन्य एजेंडों पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में 35+ पार्टियों के सांसद शामिल हुए। इस दौरान बजट सत्र को सकारात्मक और सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। बजट सत्र 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू

होगा। केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश होगा। इस दिन रविवार है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के विधायी एजेंडा शेयर नहीं करने के आरोप पर कहा कि साल के पहले सेशन में राष्ट्रपति के भाषण के बाद सरकारी कामकाज शेयर किया जाता है। हमें लोगों के मुद्दे उठाने के लिए चुना गया है, हमें बोलने की आजादी है लेकिन सुनना भी हमारी जिम्मेदारी है। लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं।

शंकराचार्य मुद्दे पर अपनी ही सरकार पर बरसीं उमा भारती

- योगी आदित्यनाथ को टैग कर पूछ लिया कठिन सवाल

भोपाल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के बीच शंकराचार्य की उपाधि को लेकर चल रहे विवाद में अब भारतीय जनता पार्टी के भीतर से भी आवाजें उठने लगी हैं। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने प्रशासन द्वारा स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से शंकराचार्य होने के सबूत मांगे जाने की आलोचना की है। उन्होंने इसे प्रशासन द्वारा अपनी मर्यादाओं और अधिकारों का

उल्लंघन बताया है। उमा भारती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी टैग किया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच इस मामले का एक सकारात्मक समाधान निकल आएगा। उमा भारती ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अधिकार केवल शंकराचार्यों और विद्वत परिषद का है।

चीन-पाकिस्तान सीमाओं की और ज्यादा बढ़ेगी निगरानी

सेना का खास प्लान, बनाए जा रहे एयर कमांड सेंटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने चीन और पाकिस्तान की सीमाओं के साथ कम-ऊंचाई वाले वायु क्षेत्र की निगरानी करने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। सेना 35 किलोमीटर की भूमि दूरी और 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने वाली सभी वस्तुओं, खासकर दुश्मन ड्रोनों की निगरानी करने की क्षमता विकसित कर रही है। यह पहल मुख्य रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुई, जिसमें पाकिस्तान ने तुर्की और चीनी सशस्त्र ड्रोनों का इस्तेमाल कर भारतीय सेना और वायुसेना के ठिकानों पर हमले किए थे। सीमाओं पर एयर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं, जो न केवल ड्रोन गतिविधियों की निगरानी करेंगे, बल्कि दुश्मन ड्रोनों को लॉन्च और न्यूट्रलाइज करने में भी सक्षम होंगे। वर्तमान में सेना 97 फीसदी ड्रोन और एंटी-ड्रोन गतिविधियों को इसी 35×3 किमी दायरे में संभाल रही है। इस प्लान के तहत पश्चिमी थिएटर में 10,000 ड्रोनों के संचालन की क्षमता विकसित की जा रही है, जबकि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के 3,488 किमी क्षेत्र में 20,000 से अधिक ड्रोनों की तैनाती की योजना है। सेना ने दो रॉकेट फोर्स यूनिट, दो रुद्र ब्रिगेड और 21 भैरव बटालियन तैनात की हैं। भारतीय तोपखाने की रेंज 150 किमी से बढ़ाकर 1,000 किमी तक कर दी गई है। क्षेत्रीय कोर कमांडर भारतीय वायुसेना के कमांडरों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

अमेरिका से परेशान कनाडा को भारत से है बहुत उम्मीद

जल्द हो सकता है प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का भारत दौरा

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ संबंध बेहद खराब हो गए थे। हालांकि अब दोनों देशों के संबंध एक बार फिर पटरी पर आ गए हैं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका की विदेश नीति भी है। अमेरिका लगातार कनाडा पर आक्रामक है और टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे रहा है। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप यह भी दावा कर चुके हैं कि वह कनाडा को 51वां राज्य बनाएंगे। ऐसे में पीएम मार्क कार्नी भारत के साथ संबंध सुधारने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। वह जल्द ही भारत का दौरा कर सकते हैं। दोनों देशों के संबंधों को लेकर यह दौरा बेहद अहम होने वाला है। गणतंत्र दिवस के मौके पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से फोन पर बात की। इस वार्ता में कनाडा के प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर अहम बातचीत हुई। पीएम कार्नी के दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौते हो सकते हैं। इसमें ऊर्जा, यूरेनियम और खनिज से जुड़े मसले शामिल होंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सुबह कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ बेहद सकारात्मक वार्ता हुई। दोनों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाने और संबंधों को मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसा, चार की मौत

- ट्रक में घुसी कार, 8 किमी तक गाड़ी घिसटती चली गई

दौसा (एजेंसी)। दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार कार घुस गई। हादसे में कार सवार चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। ट्रक में कार बुरी तरह फंस गई थी। इसकी वजह से करीब 8 किमी तक

ट्रक के साथ कार घिसटती चली गई। गाड़ी में शव भी फंस गए थे। उन्हें निकालने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। हादसा पापड़दा इलाके में एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर-193 के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। नांगल राजावतान (दौसा) के डीएसपी दीपक मीणा ने बताया- कार में 5 श्रद्धालु सवार थे। सभी उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर नोएडा लौट रहे थे।

भारत ने ईयू के साथ की सबसे बड़ी ट्रेड डील

पीएम मोदी ने बताया, साझा समृद्धि का नया ब्लूप्रिंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपियन यूनियन ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन कर लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करार देते हुए साझा समृद्धि का नया ब्लूप्रिंट बताया है। मोदी ने यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसीडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मौजूदगी में इसका ऐलान किया। बहुप्रतीक्षित भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता एक अत्यधिक महत्वपूर्ण समझौता है जिसे मदर ऑफ ऑल द डील्स कहा जा रहा है। इससे दोनों देशों के बीच संबंधों की समग्र दिशा में महत्वपूर्ण विस्तार होने की उम्मीद है क्योंकि यह विविध क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खोलेगा।

- **इंडिया-मिडिल ईस्ट इकनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे-** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस डील से भारत और यूरोप के लोगों के बीच परस्पर संबंध गहरे होंगे। यह समझौता एक स्पष्ट एजेंडा देगा और दोनों पक्षों के साझा समृद्धि को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इस डील के तहत हम साथ मिलकर इंडिया-मिडिल ईस्ट इकनॉमिक कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। मोदी ने कहा, आज से एक नया युग शुरू हुआ है। भारत-ईयू की ये समिट अहम क्षण है।

यूजीसी के खिलाफ बढ़ता जा रहा है 'सवर्ण प्रकोप'

- देशभर में नए नियमों का विरोध शुरू, सड़क पर संग्राम
- दिल्ली हेडक्वार्टर की सुरक्षा बढ़ी, यूपी में चूड़ियां भेजीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। नई दिल्ली में यूजी हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों को कैंपस के अंदर घुसने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में बैरिकेड्स लगाए गए हैं। उत्तर प्रदेश

के लखनऊ, रायबरेली, वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज और सीतापुर में छात्रों, युवाओं और विभिन्न संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। रायबरेली में भाजपा किसान नेता रमेश बहादुर सिंह और गौरक्षा दल के अध्यक्ष महेंद्र पांडेय ने सवर्ण सांसदों को चूड़ियां भेजी हैं। यूपी में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने नए नियमों के विरोध में इस्तीफा दे दिया है। यूजी के नए नियमों को लेकर कुमार विश्वास ने तंज कसा। सोशल मीडिया पर लिखा, चाहे तिल लो या ताड़ लो राजा, राई लो या पहाड़ लो राजा, मैं अभागा 'सवर्ण' हूं... मेरा रोंया-रोंया उखाड़ लो राजा। यूजी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।

ब्रह्मोस, सूर्यास्त्र से लेकर अर्जुन टैंक ने दिखाया दम

कर्तव्य पथ पर सैन्य शक्ति का दिखा जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर अपनी सैन्य शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलें, युद्धक विमान, नवगठित इकाइयां और घातक हथियार प्रणाली शामिल थीं।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हैं। कर्तव्य पथ पर आयोजित

गणतंत्र दिवस समारोह की थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' है। समारोह शुरू होने से पहले, राष्ट्रपति मुर्मू पारंपरिक बग्गी में बैठकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई अन्य केंद्रीय मंत्री, देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी, विदेशी राजनयिक और वरिष्ठ अधिकारी कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह का गवाह बने। परेड में प्रमुख हथियार प्रणालियों में ब्रह्मोस और आकाश हथियार शामिल रहे।

- **ऑपरेशन सिंदूर की झलक दिखी-** मई की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना की ओर से तैनात प्रमुख हथियार प्रणालियों की प्रतिकृतियों को प्रदर्शित करने वाली त्रि-सेवा झांकी एक प्रमुख आकर्षण रही। ब्रह्मोस और एस-400 मिसाइलों जैसी हथियार प्रणालियों के उपयोग के साथ ऑपरेशन सिंदूर के संचालन को दर्शाने वाले, एक कांच के आवरण वाले एकीकृत परिचालन केंद्र ने कर्तव्य पथ पर खूब तालियां बटोरी। पहली बार, परेड में भारतीय सेना के चरणबद्ध 'बैटल ऐरे फॉर्मेट' का प्रदर्शन किया गया, जिसमें एक हवाई यूनिट शामिल थी। इसमें एक उच्च गतिशीलता टोही वाहन और भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया बख्तरबंद प्रकाश विशेषज्ञ वाहन शामिल था। हवाई सहायता प्रदान करने के लिए स्वदेशी ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और इसका सशस्त्र संस्करण, रुद्र, प्रहार फॉर्मेशन में, युद्ध के मैदान को आकार देने का प्रदर्शन कर रहा था।

नौसेना के दस्ते में 144 युवा कर्मी शामिल

भारतीय नौसेना के दस्ते में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिनका नेतृत्व लेफ्टिनेंट करण नाग्याल ने दल कमांडर के रूप में किया था। लेफ्टिनेंट पवन कुमार गांडी, लेफ्टिनेंट प्रीति कुमारी और लेफ्टिनेंट वरुण द्रेवेरिया प्लाटून कमांडर के रूप में इसमें शामिल थे। इसके बाद नौसेना की झांकी थी, जिसमें एक मजबूत राष्ट्र के लिए मजबूत नौसेना विषय का एक विशद चित्रण प्रस्तुत किया गया। इसमें 5वीं शताब्दी सीई के एक सिले हुए जहाज को दर्शाया गया है, जिसे अब आईएनएसवी कौंडिन्य के रूप में नामित किया गया है। झांकी में नाविका सागर परिक्रमा-अभियान के हिस्से के रूप में आईएनएसवी तारिणी के परिभ्रमण मार्ग का चित्रण किया गया था। भारतीय वायु सेना की टुकड़ी में चार अधिकारी और 144 वायुसैनिक शामिल थे। इसके कमांडर स्क्वाड्रन लीडर जगदीश कुमार थे।

गंगोत्री के बाद बद्री-केदार में भी गैर हिंदू बैन!

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने जारी की चेतावनी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बदरीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में अब गैर हिंदुओं का प्रवेश वर्जित हो जाएगा। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी, मौलाना मदनी और कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने धर्मस्थलों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने इस कदम को साम्प्रदायिक सौहार्द्र और देश की एकता के लिए हानिकारक करार दिया। चेतावनी दी कि इससे चरमपंथी विचारों को बढ़ावा मिलेगा। इस कदम को लेकर इसलिए भी विवाद उठ रहा है, क्योंकि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेट जनरल गुरमीत सिंह भी अक्सर मंदिरों के दर्शन के लिए जाते रहे हैं। मौलाना रजवी ने कहा कि ऐसे कदम हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कमजोर करते हैं और समाज में फूट डालने वाले चरमपंथी विचारों को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा, भारत में कुछ लोग साम्प्रदायिक मानसिकता के साथ अजीब नजारा पेश कर रहे हैं। जब भी कोई हिंदू त्योहार या मेला शुरू होता है, पहले से बोर्ड लगाया जाता है कि मुसलमानों को प्रवेश नहीं मिलेगा। हाल ही में गंगोत्री धाम में समिति ने घोषणा की कि मुसलमानों को प्रवेश नहीं मिलेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अब यही नियम केदारनाथ और बद्रीनाथ में लागू होगा।

- शंकराचार्य मामले पर इस्तीफा देने वाले बरेली मजिस्ट्रेट सस्पेंड

सरकारी गाड़ी वापस ली गई, डीएम से मिलने नहीं दिया तो दफ्तर के बाहर धरने पर बैठे

बरेली (एजेंसी)। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान में इस्तीफा देने वाले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को शासन ने सस्पेंड कर दिया। उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि, अब तक इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ। माना जा रहा कि जांच पूरी होने के बाद ही सरकार इस्तीफा स्वीकार करेगी। फिलहाल, अग्निहोत्री को शामली अटैच कर दिया गया। बरेली कमिश्नर को मामले की जांच सौंपी गई है। मजिस्ट्रेट से सरकारी गाड़ी वापस ले ली गई है। वह मंगलवार सुबह 11 बजे डीएम से मिलने कलेक्ट्रेट पहुंचे, तो उन्हें अंदर जाने नहीं दिया गया। नाराज होकर वे कलेक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा- इस्तीफा वापस नहीं लूंगा, सरकार से मोहभंग हो गया। अब मुझे आगे क्या करना है ये समाज तय करेगा। यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। देर रात शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने सिटी मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की। कहा- पूरा सनातनी समाज आपसे प्रसन्न है। जो पद आपको सरकार ने दिया था, हम उससे बड़ा पद धर्म के क्षेत्र में आपको देंगे। अलंकार अग्निहोत्री ने गणतंत्र दिवस पर इस्तीफा दिया था। इसकी वजह यूजी का नया कानून और अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई बताई थी।

- **योगी के सपोर्ट में अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा-** यूपी में शंकराचार्य विवाद पर टकराव अब ब्यूरोक्रेसी तक पहुंच गया है। अयोध्या में जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने सीएम योगी के समर्थन इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा- मैं पीएम मोदी और सीएम योगी के समर्थन में पद से इस्तीफा दे रहा हूं। क्योंकि मैं आहत हूं। अविमुक्तेश्वरानंद ने सीएम योगी के लिए जो अपशब्द बोला है। उससे आहत हूं। पिछले 2 दिनों से इस पीड़ा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था। मैं प्रदेश का नमक और रोटी खाता हूं। इस प्रदेश के वेतन से मेरा परिवार चलता है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस यूजीसी का करेगी विरोध, नौबतपुर में राज्यसभा सांसद बोले- छात्रों के बीच जाति की राजनीति उचित नहीं

पटना। देश में UGC लागू होने के बाद से माहौल बदला हुआ है। कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं तो कुछ समर्थन। इसी बीच नौबतपुर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पूर्व बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका विरोध करेगी। दरअसल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह मंगलवार को डिहरा स्थित एक स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान जब उनसे UGC को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इस कानून के कई प्रावधान शिक्षा व्यवस्था के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी स्तर पर कानून का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। कांग्रेस उन सभी प्रावधानों का विरोध करेगी जो छात्र, शिक्षक और शिक्षा संस्थानों के हित के खिलाफ होंगे। डॉ. सिंह ने जाति की राजनीति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जाति की बात राजनीतिज्ञों के बीच तो ठीक है, लेकिन छात्रों के बीच जाति की राजनीति उचित नहीं है। वहीं, बिहार कांग्रेस में प्रदेश नेतृत्व के बदलाव को लेकर चल रही चर्चाओं पर उन्होंने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी में समय-समय पर नेतृत्व में बदलाव होते रहते हैं और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर बढ़ाना बेहद जरूरी है। ऐसे संस्थान समाज के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

वैभव भारतीय कप्तान शुभमन का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए, 30 बॉल में 52 रन बनाए

पटना। अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर- 6 स्टेज में आज भारत का मुकाबला जिम्बाब्वे से हो रहा है। वैभव सूर्यवंशी भारतीय कप्तान शुभमन गिल का रिकॉर्ड तोड़ने से मात्र 10 रन से चूक गए। उन्होंने 30 बॉल में 52 रन बनाए। हालांकि, उन्होंने 24 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इस पारी के दौरान उन्होंने चार छक्के और चार चौके लगाए। यह अंडर-19 वर्ल्ड कप में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। गिल का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए उन्हें 62 रन चाहिए थे। शुभमन गिल के नाम 1149 रन के रिकॉर्ड दर्ज है। इससे पहले वैभव ने विराट कोहली और सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी अभी 6वें स्थान पर हैं। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को हराकर तीनों मैच जीती है। भारत ने अब तक दोनों मुकाबले जीतकर ग्रुप-बी में टॉप पर जगह बनाई है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा था। वे विराट के रिकॉर्ड तोड़ने से 3 रन दूर थे। उन्होंने 4 रन बनाने के साथ ही यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोहली को पीछे छोड़ दिया। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी 8वें से 7वें नंबर पर आ गए हैं। वैभव सूर्यवंशी ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में 72 रन बनाए थे। इसमें 3 छक्के और 6 चौके शामिल थे। 8वें ओवर में वैभव ने यूथ वनडे में एक हजार रन पूरे कर लिए थे। इसी के साथ वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में 50 प्लस स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 13वें ओवर में वैभव सूर्यवंशी ने हाफ सेंचुरी पूरी की। उन्होंने अफगानिस्तान के शाहिदुल्लाह कमाल को पीछे छोड़ दिया है। वहीं, अमेरिका के साथ खेले गए पहले मैच में वैभव सिर्फ 2 रन बनाकर ही आउट हो गए थे।

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में नेशनल वर्कशॉप शुरू, रिन्यूएबल एनर्जी इंटीग्रेशन पर हो रहा इंटेंसिव ट्रेनिंग

हाजीपुर। बिदुपुर के चकसिकंदर स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय वैशाली में एक साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला "एनर्जी इंटरनेट के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण" विषय पर केंद्रित है। इसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार और कार्यशाला संयोजक प्रो. रजनी कुमारी ने अन्य प्रोफेसरों की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बिहार सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सौजन्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। महाविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा यह राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 27 जनवरी से 1 फरवरी तक चलेगी। कार्यशाला की शुरुआत में संयोजक प्रो. रजनी कुमारी ने आगंतुकों का स्वागत किया और कार्यशाला के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने राष्ट्रीय स्तर की इस कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। प्राचार्य ने बताया कि इलेक्ट्रिकल विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय स्तर का यह सेमिनार आयोजित करना महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इसे वैशाली ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय बताया। डॉ. कुमार ने ऊर्जा संकट, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की चुनौतियों के समाधान के लिए नवीकरणीय ऊर्जा तथा इंटरनेट ऑफ एनर्जी जैसी उन्नत तकनीकों के समन्वय को आवश्यक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाएं छात्रों को उद्योग, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जिससे महाविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है। कार्यशाला की संयोजक ने जानकारी दी कि यह प्रतिभागियों को नवीकरणीय ऊर्जा, एनर्जी इंटरनेट, स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा प्रबंधन से संबंधित विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को वर्तमान शोध प्रवृत्तियों तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराना है। कार्यशाला के लिए लगभग 200 छात्रों ने ऑफलाइन मोड में और विभिन्न इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के लगभग 300 छात्रों ने ऑनलाइन मोड में पंजीकरण कराया है।

वैशाली पुलिस ने तस्कर को घेरकर ली तलाशी

हाजीपुर। वैशाली के महिसौर थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान यदुनंदनपुर गांव निवासी कुसा राय (पिता- बाबुलाल राय) के रूप में हुई है। महिसौर थाना पुलिस को गांजा की अवैध तस्करी के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। थानाध्यक्ष ने बताया कि टीम ने यदुनंदनपुर गांव के पास संदिग्ध व्यक्ति पर निगरानी रखी। जब वह संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया गया, तो पुलिस टीम ने उसे घेरकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसके बाद कुसा राय को हिरासत में ले लिया गया। इस मामले में महिसौर थाना में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बरामद गांजे को मुहरबंद कर अदालत में सबूत के तौर पर पेश किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपी को कानूनी प्रक्रिया के तहत अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस जिले में सक्रिय मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस इस कार्रवाई को जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता मान रही है। पुलिस ने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है कि वे ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना गुप्त रूप से पुलिस को दे सकते हैं।

बालू लदे ट्रक ने डीएसपी को कुचलने की कोशिश की

एजेंसी, पटना

पटना में बालू लदे ट्रक के ड्राइवर ने DSP को कुचलने की कोशिश की। ड्राइवर ने ट्रक DSP की गाड़ी पर चढ़ा दिया। घटना के वक्त दानापुर DSP-2 अमरेंद्र कुमार झा गाड़ी में मौजूद थे। दरअसल, बिहटा में रेलवे ओवरब्रिज पर बालू लदे ट्रक ने बाइक सवार को कुचल दिया था। युवक को रौंदने के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग रहा था। इस दौरान दानापुर DSP-2 अमरेंद्र कुमार झा की सरकारी गाड़ी में टक्कर मार दी। DSP की गाड़ी बिहटा की ओर आ रही थी। घटना में अमरेंद्र कुमार झा बाल-बाल बचे। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया और ट्रक को जब्त किया। घटना बिहटा थाना क्षेत्र की है।

3 घंटे तक लगा जाम: घटना के 3 घंटे तक DSP की गाड़ी ट्रक में फंसी रही। इस दौरान सड़क पर लंबा जाम लग गया। कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी को निकाला गया। घटना के वक्त मौके पर मौजूद विकास कुमार ने बताया, सबसे बड़ी बात है बालू की गाड़ी

पटना में बीच सड़क गाड़ी पर ट्रक चढ़ाया, एक युवक को कुचलकर भाग रहा था

कैसे आ रही है। यहां नो एंट्री है। ट्रक ड्राइवर एक युवक को कुचलकर भाग रहा था। इसी दौरान DSP की गाड़ी सामने आ गई और उसे भी रौंद दिया।

एक कार को भी टक्कर मारकर भागा था ड्राइवर: घटना के वक्त मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि ट्रक की रफ्तार तेज थी। बाइक सवार जैसे ही ट्रक के नीचे आया, ड्राइवर डर गया। उसने गाड़ी की स्पीड और बढ़ा दी और भागने की कोशिश करने लगा। DSP की गाड़ी को टक्कर मारने से पहले उसने एक और गाड़ी में टक्कर मारी थी। ट्रक के नीचे आते ही बाइक सवार छटपटाने लगा। वो चिल्ला रहा था। मदद मांग रहा था, लेकिन ट्रक का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया था। कुछ ही देर में मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से निकलती हैं गाड़ियां: रेलवे ओवरब्रिज के पास चाय की दुकान चलाने वाले दुकानदार ने बताया कि ये नो एंट्री जोन है, लेकिन इसके बाद भी बालू से लदे ट्रक यहां दौड़ते रहे हैं। सब पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से होता है। इनके पीछे नेता लोग भी हैं। कोई इन लोगों को नहीं रोकता है। आप हम अगर गलती से हेलमेट नहीं लगाएंगे तो चालान कट जाएगा। इन लोगों को कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। आज पुलिस वाले की गाड़ी को टक्कर मारी तो इतना हल्ला हुआ। नहीं तो बाइक सवार मर भी गया है तो भी किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता।

जाया गांव में 100 बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण

सोशल वर्कर सज्जन कुमार ने शिक्षा को बताया समाज की सबसे बड़ी पूंजी

गायघाट (मुजफ्फरपुर)। गायघाट प्रखंड के जाया गांव में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोशल वर्कर सज्जन कुमार द्वारा 100 बच्चों के बीच कॉपी, कलम, पेंसिल, इरेजर एवं कटर का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी शैक्षणिक सामग्री स्वयं सज्जन कुमार ने बच्चों को प्रदान की। इस अवसर पर सज्जन कुमार ने कहा कि शिक्षा समाज की सबसे बड़ी पूंजी है और वे अपनी आय का 25 प्रतिशत हिस्सा लगातार शिक्षा व सामाजिक सेवा कार्यों में खर्च कर रहे हैं, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य ऐसे बच्चों तक पहुंचना है, जो संसाधनों के अभाव में विद्यालय जाने से वंचित रह जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सज्जन कुमार ने बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों से भी संवाद किया और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही आने वाली पीढ़ी को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बना सकती है। मौके पर दीपक मिश्र उर्फ बउआ जी, सोशल वर्कर धीरज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पटना में बनेंगे नए वेंडिंग जोन, 200 करोड़ होंगे खर्च

एजेंसी, पटना

पटना को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए शहर में कदमकुआं वेंडिंग जोन की तर्ज पर 31 नए वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। खेतान मार्केट, मुसल्लाहपुर हाट, मैकडॉवेल गोलंबर सहित कई जगहों को चिह्नित किया गया है। पटना नगर निगम के बोर्ड की बैठक में इसपर अंतिम मुहर लगेगी। इसमें से 11 जगहों पर नगर निगम की जमीन है, जहां नए वेंडिंग जोन बनेंगे। वहीं, 20 जगह किसी दूसरे विभाग की है, जिन्हें चिट्ठी लिखकर वहां वेंडिंग जोन बनाने की अनुमति ली जाएगी। इसमें से सबसे ज्यादा 10 वेंडिंग जोन पाटलिपुत्र अंचल में बनाए जाएंगे।

RCC स्ट्रक्चर पर बनेगा सभी वेंडिंग जोन: इन सभी वेंडिंग जोन का निर्माण RCC स्ट्रक्चर पर होगा, जिसकी अनुमानित लागत करीब 200 करोड़ रुपए है। निगम ने सभी 6 अंचलों में 31 नए वेंडिंग जोन बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह सभी वेंडिंग जोन अलग-अलग तल के होंगे, जिसमें से अधिकांश ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर होंगे, जबकि कुछ तीन मंजिला इमारतें भी होगी। इसे बनाने का उद्देश्य यह है कि आम लोगों को रोजमर्रा की खरीदारी के लिए सुविधाजनक स्थान मिले और सड़क किनारे लगने वाले ठेलों से यातायात बाधित न हो। सभी जरूरी स्वीकृतियां मिलने के बाद 4 महीने के अंदर निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। 2027 तक इन सभी नए वेंडिंग जोन को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

तुरकौलिया में आन-बान-शान से लहराया तिरंगा, उत्साहपूर्ण रहा माहौल

तुरकौलिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्र में सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और पंचायत स्तर पर पूरे हर्षोल्लास व देशभक्ति के साथ तिरंगा फहराया गया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित झंडोत्तोलन कार्यक्रमों से क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। प्रखंड परिसर में प्रखंड प्रमुख विभा यादव ने झंडोत्तोलन किया। वहीं तुरकौलिया थाना में थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी, रघुनाथपुर थाना में थानाध्यक्ष अलका कुमारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा प्रभारी डॉ. अर्जुन कुमार गुप्ता तथा गांधीघाट स्थित गांधी स्मारक पर अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत कार्यालय एवं नीम पेड़ चबूतरा पर मुखिया रामजनम पासवान, तुरकौलिया पश्चिमी ग्राम कचहरी में सरपंच विजय सिंह, तुरकौलिया पूर्वी ग्राम कचहरी कार्यालय में सरपंच पुनदेव सहनी, समाजसेवा सदन कवलपुर में मुखिया विनय कुमार तथा तुरकौलिया पश्चिमी पैक्स में अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। शैक्षणिक संस्थानों में श्रीराजाराम हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक इरशाद अहमद, मनार होदा क्रिएटिव स्कूल, सेमरा टोला एवं मदरसा बहरुल उलूम में अनवर आलम अंसारी, प्राथमिक विद्यालय सपही वृतियां में प्रधानाध्यापिका अर्चना कुमारी ने ध्वजारोहण किया। वहीं तुरकौलिया मध्य पंचायत में मुखिया सुनील कुमार, शंकरसरैया उत्तरी पंचायत में मुखिया अशरफ आलम तथा शंकरसरैया दक्षिणी पंचायत में मुखिया एजाज अहमद द्वारा भी झंडोत्तोलन किया गया। इसके साथ ही सभी पंचायतों में पंचायत भवनों पर मुखिया, ग्राम कचहरी में सरपंच, शैक्षणिक संस्थानों में प्रधानाध्यापक एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालयों में अध्यक्षों द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। राष्ट्रगान और देशभक्ति नारों के साथ पूरे क्षेत्र में उत्साह और देशप्रेम का वातावरण बना रहा।

जटहारा गांव में चोरी, पांच लाख के जेवरात उड़ाए

घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने दिया वारदात को अंजाम

तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जयसिंहपुर पूर्वी पंचायत के जटहारा गांव में अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर करीब पांच लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना को लेकर पीड़िता नगीया देवी ने थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में नगीया देवी ने बताया कि घर के बगल स्थित एस्बेस्टस के कमरे में रखे टैंकर के अंदर एक छोटी पेटी में जेवरात रखे गए थे। सोमवार की सुबह जब परिवार के लोग जागे तो कमरे का ताला टूटा हुआ पाया गया। अंदर जाकर देखने पर टैंकर का ताला भी टूटा मिला और उसमें रखा जेवरात से भरा पेटी गायब थी। घटना की जानकारी होते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान पता चला कि घर से लगभग 300

मीटर की दूरी पर स्थित बांसवारी में एक पेटी फेंकी हुई है। मौके पर पहुंचकर देखने पर पेटी का ताला टूटा हुआ था, जबकि उसमें रखा सोने के सात और चांदी के आठ थान जेवरात गायब थे। चोरी गए गहनों में कान का टॉप्स, मंगलसूत्र, नथिया, मांग टीका सहित अन्य आभूषण शामिल हैं। सभी गहने पीड़िता की बेटी और भौजाई के बताए जा रहे हैं। चोरों ने पेटी में रखे कपड़े और कागजात छोड़ दिए, जबकि सभी कीमती जेवरात ले गए। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अरेराज में हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन, भजनों की धुन पर झूमे श्रद्धालु, समाज की एकजुटता का लिया संकल्प

बीएनएम @ अरेराज

धर्मनगरी अरेराज के पावन वातावरण में रविवार को भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में संत-महात्माओं, समाजसेवियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी रविशंकर गिरी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा, सामाजिक समरसता और धर्म के मूल्यों को सुदृढ़ करना ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य है। सम्मेलन की खास आकर्षण भजन-कीर्तन रहा। प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम

उठे। पूरे परिसर में "हर-हर महादेव" और "जय श्रीराम" के जयघोष से भक्तिमय माहौल बना रहा। मुख्य अतिथि रामपुरवा मठ के महंत श्री राम बालक दास महाराज ने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समाज के कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सुनीलमणि तिवारी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम क्षेत्र की पहचान को मजबूत करते हैं और समाज को एकजुट करते हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता भरत गिरी ने की, जबकि सचिव बच्चा ठाकुर और कोषाध्यक्ष अभिषेक सोनी ने आयोजन की पूरी व्यवस्था कुशलतापूर्वक संभाली। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। अंत में महाप्रसाद वितरण के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने सफल आयोजन के लिए सभी संतों, अतिथियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

बेगूसराय में कोहरा, बगहा सबसे ठंडा

एजेंसी, पटना

बिहार में अगले 48 घंटे में मौसम का मिजाज बदलेगा। इस दौरान बारिश भी होने की संभावना है, इससे प्रदेश में ठंड बढ़ेगी। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। हालांकि, दिन में धूप निकलने से लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। वहीं, भागलपुर में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया है, जबकि बेगूसराय में हल्का कोहरा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कुछ जिलों में सुबह-सुबह कोहरा रहेगा। इन जिलों में विजिबिलिटी 100 मीटर तक रहेगी। पिछले 24 घंटे में 8.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बगहा सबसे ठंडा जिला रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 28-29 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव रहेगा। इससे इन दोनों दिन बारिश की संभावना है। खासकर पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी और गोपालगंज जिलों में बारिश की ज्यादा संभावना है। इन जिलों में बारिश के साथ-साथ

बिहार में 48 घंटे में बदलेगा मौसम, बारिश की संभावना

बिजली चमकने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने बताया है कि इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया, उत्तर भारत में अभी पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव नहीं है। इस समय कोई भी प्रभावी सिस्टम सक्रिय नहीं है, जिससे मौसम सामान्य है। इससे तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हालांकि, दो दिनों में एक बार भी ठंड बढ़ने की संभावना है।

पटना में मांगों को लेकर बैंककर्मियों का प्रोटेस्ट, फाइव डे बैंकिंग की डिमांड

एजेंसी, पटना

आज 27 जनवरी को बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की देशव्यापी हड़ताल है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) ने एक दिवसीय बैंक स्ट्राइक का आह्वान किया है, जिससे बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं। आर ब्लॉक कैंपस परिसर में तमाम बैंककर्मी प्रदर्शन कर रहे हैं। UFBU में सरकारी बैंकों और कुछ पुराने निजी बैंकों की यूनियनें शामिल हैं। इस हड़ताल के कारण कई शहरों और इलाकों में बैंक शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रह सकती हैं। हड़ताल के चलते कई बैंकों के एटीएम भी ठप हो गए हैं, जिससे ग्राहकों को नगदी निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बैंक कर्मचारी फाइव डे बैंकिंग (सप्ताह में सिर्फ 5 दिन काम) को तुरंत लागू करने की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा कि 23 जनवरी को सरकार के साथ हुई बैठक के के बाद यूनियन ने आज काम रोकने का फैसला किया। कर्मचारियों का कहना है कि जब मार्च 2024 के समझौते में सभी शनिवार छुट्टी देने पर सहमति बनी थी, तो सरकार इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है?

ग्राहकों की बढ़ी मुसीबत, चेक क्लियरेंस अटका: हड़ताल के कारण SBI, PNB और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बड़े सरकारी बैंकों में नगद जमा, निकासी और चेक क्लीयरिंग जैसे काम पूरी तरह बंद हैं। लगातार 3 दिन बैंक बंद होने से कैश की भारी किल्लत हो गई है। हालांकि, राहत की बात यह है कि नेट बैंकिंग और एटीएम (ATM) सेवाएं चालू हैं। यह हड़ताल मुख्य रूप से सरकारी बैंकों में है। एचडीएफसी (HDFC), आईसीआईसीआई (ICICI) और एक्सिस (Axis) जैसे बड़े प्राइवेट बैंकों की शाखाएं आज खुली हैं और वहां कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है।

सरकार मांगों पर ध्यान नहीं दे रही: यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (UFBU) के अनुसार, यह हड़ताल मजबूरी में की गई है क्योंकि सरकार उनकी वाजिब मांग पर ध्यान नहीं दे रही। यूनियन नेताओं का स्पष्ट कहना है कि कर्मचारी सोमवार से शुक्रवार तक ज्यादा काम करने को तैयार हैं, लेकिन शनिवार की छुट्टी अब लागू होनी ही चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

एनडीपीएस मामले में अभियुक्त को 01 वर्ष 09 दिन का कठोर कारावास

5,000 अर्थदंड, नहीं देने पर 15 दिन की अतिरिक्त सजा

बीएनएम @ मोतिहारी। मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक मामले में मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं समर्पित चार्जशीट के आधार पर माननीय न्यायालय ने अभियुक्त को दोषसिद्ध ठहराया है। माननीय न्यायालय रेशमा वर्मा, एनडीपीएस कोर्ट-1, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी द्वारा रक्सौल थाना कांड संख्या-30/25 (एनडीपीएस केस संख्या-98/25) में धारा 21(b), 25 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियुक्त हसमुद्दीन कुरैशी, पिता गफ्फुर कुरैशी, निवासी इस्लामपुर, थाना रक्सौल, जिला पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) को 01 वर्ष 09 दिन का कठोर कारावास एवं 5,000/- अर्थदंड की सजा सुनाई गई। न्यायालय के आदेशानुसार अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने की स्थिति में अभियुक्त को 15 दिनों का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। यह सजा मंगलवार को सुनाई गई। उक्त मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक शंभू शरण सिंह द्वारा प्रभावी एवं सशक्त पैरवी की गई।

पुलिस ने 10.60 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। रामगढ़वा थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम सतपिपरा दुबे टोला में छापेमारी कर 10.60 ग्राम स्मैक जैसा मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान श्यामबाबू साह, पिता स्वर्गीय सोनालाल साह, निवासी सतपिपरा दुबे टोला, थाना रामगढ़वा, जिला पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) के रूप में की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त व्यक्ति क्षेत्र में स्मैक की तस्करी में संलिप्त है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे उसके घर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर लिया है तथा अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

एसपी को आवेदन देकर पुलिस पर लगाया पक्षपात का आरोप

बीएनएम @ तुरकौलिया। मथुरापुर पंचायत के आमवा गांव के विपुल कुमार ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर तुरकौलिया थाना द्वारा पक्षपात करने का आरोप लगाया है। आवेदन में बताया गया है कि मारपीट मामले में विपुल ने माधोपुर पंचायत नयाटोला के विकेश कुमार पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाना पर आवेदन दिया था। जबकि उसके विपक्षी विकेश ने एक दिन बाद आवेदन दिया। दोनों आवेदन पर तिथि अंकित है। पुलिस द्वारा बाद में आवेदन देने वाले विकेश का प्राथमिकी पहले दर्ज कर ली गई। जब विधायक से थाना पर फोन किया तब उसकी प्राथमिकी दर्ज की गई। जबकि मारपीट का वीडियो व फोटो साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध है। सदर अस्पताल का पूर्जा भी है। मारपीट के दिन 112 पुलिस वाहन को भी बुलाया गया था।

गणतंत्र दिवस पर शिक्षा विभाग की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, प्रथम पुरस्कार से हुआ सम्मानित

सागर सूरज/ विक्की विजेंदर

मोतिहारी/ घोड़ासाहन। गणतंत्र दिवस के अवसर पर गांधी मैदान, मोतिहारी में आयोजित मुख्य राजकीय समारोह में निकाली गई भव्य झांकियों के बीच शिक्षा विभाग की झांकी ने एक बार फिर उत्कृष्टता का परचम लहराया। आकर्षक प्रस्तुति, सशक्त संदेश और कलात्मक सौंदर्य के कारण शिक्षा विभाग को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं पुलिस विभाग को द्वितीय और आईसीडीएस विभाग को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

गौरतलब है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिक्षा विभाग की झांकी ने दर्शकों के साथ-साथ निर्णायक मंडल का विशेष ध्यान अपनी ओर खींचा। झांकी में शिक्षा के महत्व, नवाचार और सामाजिक संदेशों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने इसे नंबर वन स्थान दिलाया।

इस शानदार सफलता में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्री नित्यम कुमार गौरव का विशेष योगदान रहा। उनके सतत मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व में आर्ट शिक्षकों की टीम ने झांकी को अत्यंत उत्कृष्ट और यादगार रूप दिया। यह उपलब्धि टीमवर्क और कुशल नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बनी।

उल्लेखनीय है कि पिछले लगातार चार वर्षों से इस झांकी के निर्माण में किसी भी बाहरी कारिगर की सहायता नहीं ली जा रही है। पूरी कलाकृति शिक्षा विभाग के आर्ट शिक्षकों द्वारा स्वयं तैयार की जाती है। इस वर्ष झांकी के निर्माण में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, जोड़ापाकड़ बगही भेलवा (घोड़ासहन) के प्रधान शिक्षक रामनिवास कुमार मौर्यवंशी की प्रमुख भूमिका रही, जिनका योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा।

जिले के आर्ट शिक्षकों की समर्पित टीम में अमित कुमार भारती, संतोष कुशवाहा, धर्मेंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार रंजन, संतोष कुमार, रवि कुमार, नंदकिशोर सहनी, राहुल कुमार, मणि प्रियंका और अलका सिंह सहित अन्य शिक्षकों का अहम योगदान रहा। इन सभी की मेहनत और रचनात्मकता ने शिक्षा विभाग की झांकी को एक जीवंत कलाकृति में बदल दिया।

शिक्षा विभाग की यह सफलता न केवल जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि समर्पण, रचनात्मक सोच और टीम भावना से किसी भी मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में गरिमामय ढंग से मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस

बीएनएम @ मोतिहारी

महत्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 26 जनवरी 2026 को 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। गांधी भवन परिसर में आयोजित इस समारोह में ध्वजारोहण, माननीय कुलपति का प्रेरणादायी संबोधन तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव के आगमन के साथ हुआ। परिसर निदेशक प्रो. प्रसून दत्त द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर कुलपति महोदय का स्वागत किया गया। इसके उपरांत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत कुलपति महोदय द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) के कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर तथा परेड का निरीक्षण किया गया। एन.सी.सी. कैडेट्स की अनुशासित परेड और सटीक संचालन ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का विधिवत ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन संपन्न हुआ।

कुलपति का प्रेरक संबोधन- अपने गणतंत्र दिवस संबोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत का संविधान किसी पर थोपा गया दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि "हम भारत के लोग" द्वारा स्वयं को दिया गया संकल्प है। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से संविधान में निहित कर्तव्य, नैतिकता और उत्तरदायित्व को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हाल ही में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान प्राप्त हुआ है, जो विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता और वैश्विक पहचान का प्रमाण है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक प्रक्रियाओं का व्यापक डिजिटलीकरण किया गया है तथा पुस्तकालय को रेडियो तरंग पहचान प्रणाली से सुसज्जित किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकों के स्व-प्रवेश एवं स्व-निर्गमन की सुविधा उपलब्ध होगी। अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर अपने विचार रखते हुए कुलपति ने कहा कि आज वैश्विक राजनीति और नई विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका निरंतर सुदृढ़ हो रही है और एक सशक्त राष्ट्र वही होता है, जिसके नागरिक सजग, शिक्षित और उत्तरदायी हों।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बाँधा समा- गणतंत्र दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों, समूह नृत्य, एकल नृत्य, नाट्य प्रस्तुति एवं कविता पाठ के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, एकता और सांस्कृतिक विविधता को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

गणतंत्र दिवस पर परिवहन विभाग की 'राह-वीर' झांकी ने दिया जीवन रक्षक संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित भव्य गणतंत्र दिवस समारोह में विभिन्न विभागों की झांकियों ने देशभक्ति, जनकल्याण और सामाजिक सरोकारों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में जिला परिवहन कार्यालय की झांकी अपने विशिष्ट थीम और सशक्त प्रस्तुति के कारण दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी। इस झांकी का संयोजन जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी के नेतृत्व में किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने जानकारी दी कि वर्ष 2026 की परिवहन विभाग की झांकी का थीम भारत सरकार की प्रमुख योजना 'राह-वीर' पर आधारित था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की समय पर सहायता कर उनकी जान बचाने के लिए आम नागरिकों को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पीड़ित की जान बचाने वाले व्यक्ति को 25,000 (पच्चीस हजार रुपये) की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर 'राह-वीर' की उपाधि दी जाती है। झांकी के माध्यम से इस योजना को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए एक सजीव नाट्य प्रस्तुति भी की गई। नाटक में दिखाया गया कि किस प्रकार एक सड़क दुर्घटनाग्रस्त राहगीर को एक जागरूक नागरिक यानी राह-वीर अपनी सूझबूझ और तत्परता से एंबुलेंस बुलाकर डॉक्टर के पास इलाज के लिए पहुंचाता है, जिससे पीड़ित की जान बच जाती है। बाद में सरकार द्वारा उस राह-वीर को सम्मान और इनाम प्रदान किया जाता है। इस नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन बी.एन.पी. प्रोडक्शन के निर्देशक ऋतिक विराज पांडेय ने किया। नाटक में डॉक्टर की भूमिका प्रतीक राजवीर, घायल पीड़ित की भूमिका दुलारे, तथा राह-वीर की भूमिका देवराज और सूरज ने निभाई। कलाकारों की प्रभावशाली अभिनय क्षमता ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। वहीं झांकी में अपनी उत्कृष्ट चित्रकला के माध्यम से महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र राज गुरु ने भी दर्शकों पर खास प्रभाव छोड़ा। झांकी के सफल प्रदर्शन में नीतीश राज, सतीश राज, आदित्य सिंह और अनिल राम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कुल मिलाकर परिवहन विभाग की यह झांकी न केवल कलात्मक दृष्टि से उत्कृष्ट रही, बल्कि सड़क सुरक्षा और मानव जीवन की रक्षा का सशक्त संदेश देने में भी पूरी तरह सफल रही।

गणतंत्र दिवस पर शिक्षा विभाग की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र, प्रथम पुरस्कार से हुआ सम्मानित

सागर सूरज/ विक्की विजेंदर

मोतिहारी/ घोड़ासाहन : गणतंत्र दिवस के अवसर पर गांधी मैदान, मोतिहारी में आयोजित मुख्य राजकीय समारोह में निकाली गई भव्य झांकियों के बीच शिक्षा विभाग की झांकी ने एक बार फिर उत्कृष्टता का परचम लहराया। आकर्षक प्रस्तुति, सशक्त संदेश और कलात्मक सौंदर्य के कारण शिक्षा विभाग को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं पुलिस विभाग को द्वितीय और आईसीडीएस विभाग को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

गौरतलब है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिक्षा विभाग की झांकी ने दर्शकों के साथ-साथ निर्णायक मंडल का विशेष ध्यान अपनी ओर खींचा। झांकी में शिक्षा के महत्व, नवाचार और सामाजिक संदेशों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने इसे नंबर वन स्थान दिलाया।

इस शानदार सफलता में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी श्री नित्यम कुमार गौरव का विशेष योगदान रहा। उनके सतत मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व में आर्ट शिक्षकों की टीम ने झांकी को अत्यंत उत्कृष्ट और यादगार रूप दिया। यह उपलब्धि टीमवर्क और कुशल नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बनी।

उल्लेखनीय है कि पिछले लगातार चार वर्षों से इस झांकी के निर्माण में किसी भी बाहरी कारिगर की सहायता नहीं ली जा रही है। पूरी कलाकृति शिक्षा विभाग के आर्ट शिक्षकों द्वारा स्वयं तैयार की जाती है। इस वर्ष झांकी के निर्माण में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय, जोड़ापाकड़ बगही भेलवा (घोड़ासहन) के प्रधान शिक्षक रामनिवास कुमार मौर्यवंशी की प्रमुख भूमिका रही, जिनका योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा।

जिले के आर्ट शिक्षकों की समर्पित टीम में अमित कुमार भारती, संतोष कुशवाहा, धर्मेंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार रंजन, संतोष कुमार, रवि कुमार, नंदकिशोर सहनी, राहुल कुमार, मणि प्रियंका और अलका सिंह सहित अन्य शिक्षकों का अहम योगदान रहा। इन सभी की मेहनत और रचनात्मकता ने शिक्षा विभाग की झांकी को एक जीवंत कलाकृति में बदल दिया।

शिक्षा विभाग की यह सफलता न केवल जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि समर्पण, रचनात्मक सोच और टीम भावना से किसी भी मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है।

मोतिहारी में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 293 किलो गांजा बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। हरपुर थाना क्षेत्र में की गई एक सुनियोजित कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 292.872 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 26 जनवरी 2025 को गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसने तस्करी के नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बोलेरो वाहन के जरिए भारी मात्रा में गांजा की तस्करी करने वाला है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल मनीष आनंद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने हरपुर थाना क्षेत्र के नहर

रोड, चिकनी चौक के समीप वाहन जांच अभियान शुरू किया। वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक बोलेरो को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही चालक वाहन लेकर भागने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर उसे पकड़ लिया। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी आदापुर की उपस्थिति में विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बोलेरो वाहन से कुल 292.872 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। मौके से गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जितेंद्र कुमार, पिता कृष्णा महतो, निवासी पूर्वी करगहिया, थाना मुफस्सिल, जिला पश्चिमी चंपारण (बेतिया) के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और गांजा कहां से लाया गया था तथा कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस द्वारा बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की गहन जांच की जा रही है, ताकि पूरे तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। इस छापेमारी अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रक्सौल के अलावा अंचल निरीक्षक रंजन कुमार, सह थानाध्यक्ष हरपुर राहुल कुमार, सह थानाध्यक्ष रामगढ़वा राजीव कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जवान, गृहरक्षक एवं चौकीदार शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जिला प्रशासन द्वारा जॉर्ज ऑरवेल आश्रम का निरीक्षण

» विरासत संरक्षण को लेकर बनेगी विस्तृत कार्य योजना

बीएनएम @ मोतिहारी

मंगलवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) निशांत सिहारा द्वारा मोतिहारी नगर निगम के वार्ड संख्या-19 में स्थित ऐतिहासिक जॉर्ज ऑरवेल आश्रम का संयुक्त रूप से भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। प्रसिद्ध अंग्रेज़ी लेखक जॉर्ज ऑरवेल, जिन्होंने 1984 और एनिमल फार्म जैसी विश्व प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों की रचना की, से जुड़ा यह आश्रम ऐतिहासिक एवं साहित्यिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर माना जाता है। निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन द्वारा इस पुरातात्विक स्थल के सभी हिस्सों का बारीकी से अवलोकन किया गया। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आश्रम के वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित संरक्षण हेतु एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। जिलाधिकारी ने स्थल की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, इसे स्वच्छ एवं पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाए रखने तथा आश्रम परिसर को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए भी सख्त निर्देश दिए। जॉर्ज ऑरवेल आश्रम का समुचित रखरखाव एवं संरक्षण न केवल साहित्यिक विरासत को संजोने में सहायक होगा, बल्कि यह स्थान देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों एवं साहित्य प्रेमियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित हो सकेगा। प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा, संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

करेंटयुक्त बैरिकेडिंग से मौत, सिस्टम की संवेदनहीनता उजागर, बिजली विभाग की लापरवाही कटघरे में

बीएनएम @ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के गायघाट पंचायत अंतर्गत बड़ा हरपुर में हुई युवक की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर बिजली विभाग की लापरवाही और जमीन मालिक की असंवेदनशीलता को कटघरे में खड़ा कर दिया है। खेत में अवैध रूप से बिछाई गई करंटयुक्त बैरिकेडिंग की चपेट में आने से उमेश प्रसाद की जान चली गई, लेकिन यह हादसा केवल एक व्यक्ति की मौत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे सिस्टम की बड़ी चूक सामने आई है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे उमेश प्रसाद खेत के रास्ते से गुजर रहे थे, तभी वे करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि खेत मालिक शंभू कुशवाहा ने अपनी मक्का की फसल को जानवरों से बचाने के लिए अवैध रूप से बिजली प्रवाहित तार लगा रखा था। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की भी खुली अनदेखी

है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त खेत में लंबे समय से करंटयुक्त तार लगे हुए थे। इससे पहले भी कई जंगली जानवरों की मौत हो चुकी थी, लेकिन न तो खेत मालिक ने इसे हटाने की जरूरत समझी और न ही बिजली विभाग ने अवैध बिजली उपयोग पर कोई ठोस कार्रवाई की। सवाल यह उठता है कि जब गांव में खुलेआम खेतों में बिजली का दुरुपयोग हो रहा था, तो विभागीय निरीक्षण और निगरानी व्यवस्था कहां थी। इस घटना ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अवैध कनेक्शन, खुले तार और करंटयुक्त बाड़ जैसी गतिविधियां विभाग की जानकारी के बिना संभव नहीं मानी जा सकतीं। इसके बावजूद अब तक न तो किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की गई है और न ही विभाग की ओर से कोई आधिकारिक कार्रवाई सामने आई है, जो लापरवाही को और भी उजागर करती है। मृतक उमेश प्रसाद अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। पत्नी रंजीता देवी, तीन अविवाहित पुत्रियां और एक पुत्र का भविष्य अब अधर में लटक गया है। घर में मातम पसरा है और परिजन सदमे में हैं। घटना के बाद इलाके में आक्रोश है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दोषी खेत मालिक के साथ-साथ बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई हो। लोगों का कहना है कि जब तक जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराती रहेंगी। यह हादसा एक चेतावनी है कि लापरवाही और संवेदनहीनता की कीमत किसी की जान से नहीं चुकाई जानी चाहिए। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से अब तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, बिजली विभाग की ओर से भी अब तक अवैध बिजली उपयोग को लेकर कोई आवेदन या कार्रवाई सामने नहीं आई है, जो विभागीय लापरवाही को उजागर करता है।

संक्षिप्त समाचार

चालक को चाकू मारकर ऑटो लूटकर भाग रहे लूटेरे को पुलिस ने पकड़ा तीन लूटेरे फरार , छापेमारी जारी

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत सुगौली विशुनपुरवा सड़क स्थित बेलइठ गांव के पास लूटेरों ने ऑटो रिक्शा चालक को चाकू मारकर ऑटो लूट लिया। सूचना पर एस डी पी ओ सदर दीलीप कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह व पुलिस बल ने त्वरित कार्यवाही करते हुए भाग रहे लूटेरों में से एक लूटेरा पश्चिम चंपारण जिले के योगापट्टी थाना क्षेत्र स्थित नौगांवा निवासी आनंद कुमार शुक्ला के पुत्र सौरभ शुक्ला को लूटे गये ऑटो व एक पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। जबकि तीन लुटेरे अंधेरे का लाभ उठा कर फरार हो गये।थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि लुटेरे को बेतिया से गिरफ्तार किया गया है।फरार तीनों अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पर्यटकीय विकास कार्यों का निरीक्षण

बीएनएम @ अरेराज। सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पर्यटकीय विकास के उद्देश्य से पूर्व में कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन गेस्ट हाउस के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही मंदिर परिसर से संबद्ध तिलावे नदी पर प्रस्तावित दो पैदल आरसीसी पुलों के निर्माण हेतु चिन्हित स्थलों का भी स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जल निकासी व्यवस्था, तकनीकी उपयुक्तता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं का आकलन किया गया। साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति, स्वीकृत नक्शा एवं प्राक्कलन के अनुरूप कार्य निष्पादन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि कार्य निष्पादन में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होने की स्थिति में समय रहते सूचना दें तथा निर्माण कार्य में गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

पहलः शांतिपूर्ण सरस्वती पूजा के लिए न्यू कॉलोनी समिति सम्मानित, थानाध्यक्ष ने बढ़ाया उत्साह

बीएनएम @ अरेराज। थाना क्षेत्र में सरस्वती पूजा के सफल और शांतिपूर्ण समापन के बाद पुलिस प्रशासन ने एक सराहनीय पहल की है। थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में उन पूजा समितियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जा रहा है जिन्होंने उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में पुलिस का कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया। इसी क्रम में 'न्यू कॉलोनी सरस्वती पूजा समिति, गली नंबर 02' को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आधिकारिक 'प्रशंसा पत्र' प्रदान किया गया। इस गौरवशाली क्षण पर समिति के मुख्य सदस्य अनुराग गुप्ता, निष्कर्ष श्रीवास्तव, हिमांशु कुमार, शुभम कुमार, मुन्ना कुमार और रवि कुमार मौजूद रहे। थानाध्यक्ष ने इन युवाओं के अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि समाज में शांति और भाईचारा बनाए रखने में युवाओं की ऐसी भागीदारी प्रेरणादायक है। समिति के इन सदस्यों ने न केवल एक भव्य आयोजन किया, बल्कि प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए यह सुनिश्चित किया कि त्योहार का उल्लास बिना किसी बाधा के संपन्न हो। पुलिस की इस पहल से स्थानीय युवाओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सम्मानित होने के बाद अनुराग गुप्ता और उनकी टीम ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

चारगंहा महादलित बस्ती में पुलिस की अनूठी पहल

300 बच्चों के बीच कॉपी–कलम व मिठाई का वितरण

बीएनएम @ तुरकौलिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर तुरकौलिया प्रखंड क्षेत्र के चारगंहा महादलित बस्ती में थाना अध्यक्ष उमाशंकर मांझी के नेतृत्व में पुलिस द्वारा एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल की गई, जिसकी क्षेत्र में चारों ओर प्रशंसा हो रही है। इस अवसर पर पुलिस टीम ने चारगंहा महादलित बस्ती में लगभग 300 बच्चों के बीच कॉपी, कलम एवं मिठाई का वितरण किया। कार्यक्रम में थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी के साथ एएसआई कन्हैयालाल, संतोष पटेल, दफादार रामप्रवेश कुशवाहा, चौकीदार रंजन कुमार पासवान सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे। ग्रामीणों ने बताया कि आमतौर पर महादलित बस्ती में पुलिस केवल शराब बरामदगी या कार्रवाई के लिए आती रही है, लेकिन यह पहली बार देखा गया कि पुलिस बच्चों की पढ़ाई और भविष्य को लेकर गांव पहुंची है। ग्रामीणों का कहना था कि ऐसा कार्य जनप्रतिनिधियों को करना चाहिए, लेकिन लंबे समय बाद इस तरह की सकारात्मक पहल देखने को मिली है, जिससे गांव में खुशी और विश्वास का माहौल बना है। कॉपी–कलम वितरण के दौरान पुलिस कर्मियों ने बच्चों से नियमित रूप से स्कूल जाने, मन लगाकर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने का संदेश दिया। वहीं अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को प्राथमिकता दें और शिक्षा के प्रति जागरूक रहें। इस मानवीय पहल को लेकर चारगंहा महादलित बस्ती सहित आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की खूब सराहना की जा रही है।

दक्षिणी सुगांव में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को किया गया सम्मानित

बीएनएम @ सुगौली। देश के गणतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी सुगांव में मुखिया प्रभाकर मिश्रा की अगुवाई में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय विधायक राजेश कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता, मुखिया प्रभाकर मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री गुप्ता ने अधिक से अधिक ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में और बेहतर करने का उत्साह उत्पन्न होता साथ ही अन्य बच्चों को इससे प्रेरणा भी मिलता है। वहीं सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार है जिससे स्वयं को सुशिक्षित,संस्कारित कर जीवन को सुशोभित और सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से पहुंचे प्रतिभाशाली बच्चों को विधायक श्री गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, मुखिया प्रभाकर मिश्रा, भाजपा नेता विकास शर्मा व अन्य मंचासीन गणमान्य लोगों ने प्रशस्ति पत्र और ट्राफी प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं मंच का संचालन विश्वजीत झा ने किया।

इतिहास की ऊँचाई, व्यवस्था की गहराई में दबी केसरिया बौद्ध स्तूप, जिस पर दुनिया को गर्व उसे अपनों ने भुलाया

- बुद्ध की विरासत पर धूल, सवालों के घेरे में केसरिया स्तूप
- विश्व की सबसे ऊँची बौद्ध धरोहर, उपेक्षा की सबसे गहरी खाई में
- गौरवशाली अतीत बदहाल वर्तमान, ईंट-ईंट में इतिहास, परत-परत में उपेक्षा

बीएनएम @ डुमरियाघाट @ अमित कुमार सिंह

पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया प्रखंड में स्थित केसरिया बौद्ध स्तूप आज भी इतिहास, आस्था और विरासत का मूक साक्षी बना खड़ा है। यह वही स्तूप है जिसे इतिहासकार विश्व का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप मानते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि वैश्विक पहचान के बावजूद यह धरोहर आज भी समुचित संरक्षण, प्रचार और विकास की बाट जोह रही है।

104 फीट ऊँचाई, 400 फीट परिधि, एशिया की अनोखी संरचना :-करीब 104 फीट ऊँचे और लगभग 400 फीट परिधि वाले इस स्तूप की विशालता आज भी शोधकर्ताओं को चकित करती है। पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि इसका निर्माण तीन से चार चरणों में हुआ, जो अलग-अलग कालखंडों की स्थापत्य शैली को दर्शाता है। यह स्तूप आकार और संरचना में नेपाल के बौद्ध स्तूपों से भी बड़ा माना जाता है।

बुद्ध की अंतिम यात्रा से जुड़ी है केसरिया की पहचान :-इतिहास और बौद्ध साहित्य के अनुसार, भगवान गौतम बुद्ध ने अपनी अंतिम यात्रा के दौरान वैशाली से कुशीनगर जाते समय केसरिया में विश्राम किया था। यहीं उन्होंने अपने शिष्यों को अपना भिक्षापात्र दान में दिया था। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में इस स्तूप का निर्माण किया गया, जो इसे बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में शामिल करता है।

अशोक काल से गुप्त काल तक के प्रमाण-भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा की गई खुदाई में यह स्पष्ट हुआ है कि स्तूप का प्रारंभिक निर्माण सम्राट अशोक के काल में हुआ, जबकि बाद में शुंग और गुप्त काल में इसका विस्तार किया गया। खुदाई में प्राप्त ईंटें, संरचनात्मक परतें और स्थापत्य संकेत इस बात की पुष्टि करते हैं कि केसरिया स्तूप बौद्ध काल के निरंतर विकास का जीवंत उदाहरण है।

अंतरराष्ट्रीय महत्व, लेकिन स्थानीय उपेक्षा :-दक्षिण-पूर्व एशिया, श्रीलंका, थाईलैंड, जापान और कोरिया जैसे देशों से आने वाले बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए केसरिया एक अत्यंत पवित्र स्थल है। बावजूद इसके, अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रचार-प्रसार नही है।,पर्यटकों के लिए आवास, गाइड और सूचना केंद्र का अभाव,और नियमित रखरखाव की कमी इस धरोहर की पहचान को सीमित कर रही है।

विकास के दावे, ज़मीनी हकीकत अलग :-सरकार द्वारा सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण के कुछ कार्य अवश्य किए गए हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रयास इस विरासत के महत्व के अनुरूप नहीं हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बौद्ध सर्किट से केसरिया को मजबूती से जोड़ा जाए, तो यह चंपारण की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

इतिहासकारों और बुद्धिजीवियों की चेतावनी :-इतिहासकारों का मानना है कि यदि समय रहते केसरिया स्तूप को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित नहीं किया गया, शोध और संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाली पीढ़ियां इसे सिर्फ किताबों में ही पढ़ेंगी।

चंपारण की पहचान, भारत की विरासत :-केसरिया बौद्ध स्तूप सिर्फ एक पुरातात्विक ढांचा नहीं, बल्कि यह भारत की बौद्ध चेतना, शांति और करुणा की परंपरा का प्रतीक है। यह चंपारण की पहचान है और वैश्विक बौद्ध विरासत में भारत की केंद्रीय भूमिका को दर्शाता है। अब सवाल यह है कि क्या विश्व का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप सिर्फ उपेक्षा का शिकार बना रहेगा, या केसरिया को उसका ऐतिहासिक सम्मान मिलेगा।

पताही प्रखंड में गणतंत्र दिवस की भव्य झलक

जिहुली पंचायत में सरपंच ने दिया एकता, संविधान और विकास का संदेश

बीएनएम @ पताही

प्रखंड क्षेत्र में 76वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास, अनुशासन और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पताही थाना परिसर, पंचायत भवनों, विद्यालयों एवं अन्य सरकारी संस्थानों में तिरंगा शान से फहराया गया। राष्ट्रगान की गूंज से पूरा इलाका देशभक्ति के रंग में रंग गया। जिहुली पंचायत में सरपंच रितेश कुमार के आवास पर आयोजित मुख्य समारोह में विधिवत झंडोत्तोलन किया गया। इसके उपरांत सरपंच रितेश कुमार ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों को आत्मसात करने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि जब गांव मजबूत होंगे, तभी प्रखंड, जिला और देश सशक्त बनेंगे। सरपंच ने पंचायत के समग्र विकास को प्राथमिकता बताते हुए शिक्षा, स्वच्छता, सामाजिक समरसता और पारदर्शी प्रशासन पर विशेष जोर दिया। साथ ही युवाओं से नशामुक्त, शिक्षित एवं आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने सभी ग्रामीणों से आपसी भाईचारा, सौहार्द और एकता बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। झंडोत्तोलन के पश्चात देशभक्ति नारों ने पूरे माहौल को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिहुली पंचायत सहित पूरे पताही प्रखंड में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और एकता का प्रेरक दृश्य देखने को मिला।

हरसिद्धि में धूमधाम से मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस, विभिन्न संस्थानों में हुआ झंडोत्तोलन

बीएनएम @ हरसिद्धि

77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र में देशभक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रखंड के विभिन्न सरकारी एवं गैर- सरकारी संस्थानों में विधिवत झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां तिरंगे को सलामी दी गई और राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। प्रखंड मुख्यालय एवं उसके परिसर के साथ-साथ, एमआर इंटर कॉलेज, रामलाल सोनालाल प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय में में प्राचार्य आलोक कुमार, गांधी उच्च विद्यालय, एवं थाना परिसर में प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष रिषभ कुमार ने झंडा तोलन कर सलामी दी, तथा चंपारण बैंक्विट रिजॉर्ट्स में भी झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित हुआ। चंपारण बैंक्विट रिजॉर्ट्स में ई. राकेश गुप्ता ने तिरंगा फहराकर उसे सलामी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाया और 'भारत माता की जय' के नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर प्रशिक्षण डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार, बीडीओ गुलशन कुमार, अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, चिकित्सा प्रभारी सुनील कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिकारी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया 77 वे गणतंत्र दिवस

बीएनएम @ रामगढ़वा

77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों में सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण माहौल में आन-बान-शान से झंडोतोलन किया गया। प्रखंड परिसर में बीडीओ राकेश कुमार सिंह की उपस्थिति में प्रखंड प्रमुख रीता देवी द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार दास, मनरेगा पीओ कुमार सुशांत, एमओ रंजन कुमार, मौजूद थे। वहीं अंचल कार्यालय परिसर में अंचलाधिकारी राजा कुमार द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। मौके पर उपप्रमुख अरविंद पांडेय, अंचल कर्मी अनिल कुमार, संजय पांडेय, समाजसेवी विशाल गुप्ता, अरुण कुमार एवं नारायण गुप्ता मौजूद थे। रामगढ़वा थाना परिसर में थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने झंडोतोलन किया वही पालनवा थाना परिसर में थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, ने झंडोतोलन किया इनके साथ भीम सिंह,रूपम कुमारी सहित सभी पुलिस कर्मी और गणमान्य लोग मौजूद थे। वही राजद कार्यालय में पूर्व राजद विधायक ई शशिभूषण सिंह,लोजपा कार्यालय में सुगौली लोजपा विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने झंडोत्तोलन किया। वहीं प्रखंड संसाधन सेवी परिसर में बीईओ हरेराम सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके अलावा सुखीसेमरा हाई स्कूल में डब्लू झा ने झण्डा फहराया मिडिल स्कूल पोखरिया में प्रधान शिक्षक रामचन्द्र राम ने झंडोतोलन किया प्राथमिक विद्यालय खोड़वा में प्रधानाध्यापिका मिनहाज यासमीन झंडातोलन किया वही इनके साथ शिक्षक विश्वनाथ राम,शिक्षिका अर्चना कुमारी सादिया खातून,लुसी नाज सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। जिसमें नृत्य, संगीत, देशभक्ति गीतों एवं झांकी रैली की वेवस्था किया गया था।इस कार्यक्रम से बच्चो ने सभी लोगों का मन मोह लिया।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार, 10.60 ग्राम बरामद

गुप्त सूचना पर रामगढ़वा पुलिस की कार्रवाई

बीएनएम @ रामगढ़वा

थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नशीले पदार्थ के कारोबार में संलिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान श्यामबाबू साह, पिता स्वर्गीय सोनालाल साह, ग्राम सतपिपरा दुबे टोला, थाना रामगढ़वा, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में की गई है। पुलिस ने अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार किया, जहां से 10.60 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि श्यामबाबू साह स्मैक का अवैध कारोबार करता है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

सब कुछ डॉनल्ड ट्रंप पर निर्भर

ग्रीनलैंड मामले में हकीकत यह है कि सब कुछ डॉनल्ड ट्रंप पर निर्भर है। अगर उनके अमेरिका फर्स्ट की सोच में अपने सहयोगी देशों को निगलना भी शामिल है, तो फिर उन्हें कैसे रोका जाएगा, यह साफ नहीं है। ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने के डॉनल्ड ट्रंप के जुनून से यूरोप में गुस्सा तो फैला है, लेकिन एक किस्म की लाचारी का अहसास भी वहां है। यूरोपीय नेता जानते हैं कि ट्रंप अपने इरादे पर अड़े रहे, तो उन्हें रोकना आसान नहीं होगा। इसलिए आठ यूरोपीय देशों के नेताओं के डेनमार्क से एकजुटता जताने और यूरोप-अमेरिका के संबंधों पर खराब असर की चेतावनी देने का व्यावहारिक मतलब कम ही है। ग्रीनलैंड मुद्दे पर अमेरिका का विरोध कर रहे देशों के ऊपर 10 फीसदी टैरिफ लगाने के ट्रंप के एलान के बाद जारी साझा बयान में इन नेताओं ने उपरोक्त बातें कही हैं। उधर यूरोपियन यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काया केलास ने चीन और रूस का खतरा दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन का विवेक जगाने की कोशिश की है।

बहरहाल, सवाल यही है कि ट्रंप ने अपना रुख नहीं बदला, तो यूरोप क्या करेगा? दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने अपनी खास योजना- मार्शल प्लान- के तहत यूरोप को ढाला। नतीजतन, उसकी सुरक्षा के सूत्र हमेशा अमेरिका के हाथ में रहे। आज भी पूरे यूरोप में लगभग 76,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यूरोप के 80 प्रतिशत तक हथियार अमेरिकी कंपनियां सप्लाई करती हैं। जिस नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) के भरोसे यूरोप के देश सुरक्षित रहते आए हैं, उनका निर्विवाद नेता अमेरिका है। 1990 के दशक के बाद यूरोप की वित्तीय व्यवस्था भी अभिन्न रूप से अमेरिका से जुड़ गई। तब अमेरिकी मंशा से अलग निर्णय लेने की यूरोप की रणनीतिक स्वतंत्रता और सिकुड़ गई। इस दौर में अमेरिका का पिछलग्गू बन कर यूरोप ने अपना नैतिक बल और भी गंवा दिया। मसलन, ताजा प्रकरणों को ही देखें, तो एक संप्रभु देश- वेनेजुएला- के राष्ट्रपति के अपहरण पर अगर-मगर भरा रुख अपनाने के बाद ग्रीनलैंड मुद्दे पर यूरोपीय नेता जब डेनमार्क की संप्रभुता का समर्थन करते हैं, तो बाकी दुनिया को उनकी बातें विडंबनाभरी नजर आती हैं। इसीलिए हकीकत यह है कि सब कुछ ट्रंप पर निर्भर है।

मदर ऑफ ऑल डील्स और भारत का उभरता वैश्विक आत्मविश्वास

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और यूरोपीय संघ के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति आज बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुदृढ़ होती भूमिका का स्पष्ट संकेत दे रही है। देखा जाए तो राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को हुआ यह समझौता उस भारत की तस्वीर पेश करता है, जिसे आज आप विश्व की उभरती हुई अर्थव्यवस्था से आगे वैश्विक आर्थिक विमर्श को दिशा देने वाली शक्ति के रूप में पहचानते हैं। वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे ऐतिहासिक बताया जाना और वैश्विक मंचों पर इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जाना भारत की इसी बदली हुई हैसियत को रेखांकित करता है। यूरोपीय संघ के 27 देशों और भारत के बीच हुआ यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं को गहरे आर्थिक और रणनीतिक सूत्र में बांधता है। यह समझौता वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के करीब एक तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। दो अरब से अधिक की सम्मिलित जनसंख्या वाला यह बाजार आने वाले वर्षों में उत्पादन, निवेश और उपभोग का विशाल केंद्र बनने जा रहा है। यही कारण है कि इसे व्यापारिक करार नहीं, साझा समृद्धि का खाका तक कहा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा में आयोजित 'इंडिया एनर्जी वीक' के उद्घाटन सत्र में इस समझौते की घोषणा करते हुए जिस आत्मविश्वास का परिचय दिया, वह भारत की आर्थिक स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता का परिणाम है। उनके अनुसार समझौता भारत के 140 करोड़ नागरिकों और यूरोपीय देशों के करोड़ों लोगों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगा। कहना होगा कि आज जब दुनिया संरक्षणवाद और व्यापार अवरोधों की ओर झुकती दिख रही है, तब भारत और यूरोपीय संघ का मुक्त व्यापार के पक्ष में खड़ा होना बहुपक्षवाद और नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था को मजबूती देता है। आर्थिक आंकड़े इस समझौते की महत्ता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2024-25 में भारत और यूरोपीय संघ के बीच 136 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार हुआ। भारत यूरोप से मशीनें, परिवहन उपकरण और रसायनों का आयात करता है, जबकि भारत से मशीनें, रसायन, लोहा, एल्यूमिनियम, तांबा, खनिज उत्पाद, कपड़ा और चमड़े के सामान का निर्यात होता है। एफटीए लागू होने के बाद शुल्क और गैर शुल्क बाधाओं में कमी आएगी, जिससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। इसका सीधा लाभ किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा श्रम प्रधान क्षेत्रों को मिलेगा। सेवा क्षेत्र इस समझौते का एक और बड़ा लाभार्थी है। सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाएं, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान एवं विकास और स्टार्टअप इकोसिस्टम को यूरोप के बाजारों में नई संभावनाएं मिलेंगी। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय निवेश की योजना बना रहे मुख्य कार्याधिकारियों की नजर में भारत तेजी से ऊपर चढ़ा है। पीडब्ल्यूसी के 29वें ग्लोबल सीईओ सर्वे के अनुसार 13 प्रतिशत सीईओ भारत को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य मानते हैं, जबकि पिछले वर्ष भारत इस सूची में पांचवें स्थान पर था। यह उछाल भारत की आर्थिक नीतियों और बाजार क्षमता पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का प्रमाण है। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 2025 की 6.5 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। यह दर वैश्विक औसत से ऊंची है और प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से भी बेहतर है। भारतीय उद्योग जगत का विश्वास भी इसी दिशा में संकेत करता है। सर्वे के अनुसार 77 प्रतिशत भारतीय सीईओ देश की आर्थिक वृद्धि को लेकर आशावादी हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 55 प्रतिशत है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आंकड़े भारत की इस मजबूती को और स्पष्ट करते हैं। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में भारत में एफडीआई में 73 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई और कुल 47 अरब डॉलर का निवेश आया। यह वृद्धि मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र में बड़े निवेशों से प्रेरित रही, हालांकि उत्पादन क्षेत्र में भी निवेश का प्रवाह बढ़ा है। साल 2014 से 2025 के बीच एफडीआई इक्विटी प्रवाह 7.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले दौर की तुलना में लगभग दोगुना है। यह आंकड़े बताते हैं कि भारत अब दीर्घकालिक निवेश के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है। कहना होगा कि सरकार की नीतिगत पहलों ने इस निवेश उछाल की नींव रखी है। 'मेक इन इंडिया' अभियान ने भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए। एफडीआई नियमों का सरलीकरण, रक्षा, रेलवे और बीमा जैसे क्षेत्रों में निवेश की सीमा बढ़ाना और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित किया। परिणामस्वरूप ऐपल, सैमसंग, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में अरबों डॉलर के निवेश की घोषणाएं की हैं। ये निवेश तकनीक, कौशल और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। वैश्विक परिदृश्य में भारत का प्रदर्शन इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि कई अन्य बड़े देशों में निवेश में गिरावट देखी गई है। चीन में लगातार तीसरे वर्ष एफडीआई में कमी आई है, जबकि भारत इस प्रवृत्ति का अपवाद बनकर उभरा है। सेमीकंडक्टर मिशन, चिप्स निर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां और नवीकरणीय ऊर्जा में 500 गीगावाट का महत्वाकांक्षी लक्ष्य भारत को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार कर रहे हैं। इन पहलों ने यूरोप, जापान और अन्य देशों से निवेश आकर्षित किया है। भारत ने साल 2026 के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लक्ष्य 100 अरब डॉलर तय किया है। साथ ही डिजिटल अर्थव्यवस्था से उम्मीद है कि वह आने वाले वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 20 प्रतिशत योगदान देगी। आज भारत पारंपरिक विकास मॉडल से आगे बढ़कर नवाचार और तकनीक आधारित विकास की ओर अग्रसर है। ऐसे में यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत द्वारा यूरोप के साथ पहले किए गए अन्य व्यापारिक करारों को मजबूती देता है। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका और सशक्त होगी। वैसे भी महामारी और भू राजनीतिक तनावों के बाद दुनिया आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता तलाश रही है और भारत एक भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यूरोपीय संघ के साथ एफटीए इस विश्वास को संस्थागत रूप देता है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह एफटीए इसी व्यापक आर्थिक परिवर्तन को आज व्यापक स्तर पर दर्शा रहा है। यह समझौता भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, वैश्विक जिम्मेदारी और साझेदारी आधारित विकास मॉडल को भी दिखाता है। यदि वर्तमान गति और नीतिगत निरंतरता बनी रही, तो साल 2030 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य भारतवासियों के लिए कोई सपना नहीं रहेगा। निःस्संदेह यह समझौता भारत के वैश्विक आर्थिक उत्थान की यात्रा में मील का पत्थर है।

काग़ज़ी सम्मान की चमक में खोता वास्तविक योगदान

डॉ. सत्यवान सौरभ

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं हैं बल्कि ये राष्ट्र के आत्ममंथन के अवसर भी होते हैं। इन दिनों प्रशासन द्वारा दिए जाने वाले प्रशंसा पत्रों को समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उद्देश्य यह होता है कि ऐसे लोगों को सामने लाया जाए जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र, समाज और व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। किंतु बीते कुछ वर्षों में इन प्रशंस पत्रों की प्रक्रिया और चयन पद्धति पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बुनियादी सवाल यही है कि क्या किसी प्रशंसा पत्र के लिए आवेदन करना आवश्यक होना चाहिए? यदि हाँ, तो क्यों? सम्मान तो वह होता है जो स्वतः मिले, जिसे समाज और व्यवस्था स्वयं पहचानें। यदि किसी व्यक्ति को अपने कार्य के लिए स्वयं आवेदन करना पड़े या किसी माध्यम से अपना नाम अनुशंसित करवाना पड़े तो ऐसे सम्मान की नैतिकता और प्रामाणिकता पर स्वाभाविक रूप से संदेह उत्पन्न होता है। विडंबना यह है कि जब किसी क्षेत्र में अनियमितता, भ्रष्टाचार या अव्यवस्था की खबरें समाचार पत्रों, टीवी चैनलों या सोशल मीडिया पर आती हैं तो प्रशासन तत्काल सक्रिय हो जाता है। जांच बिठा दी जाती है, नोटिस जारी होते हैं और कार्रवाई की घोषणाएँ की जाती हैं। यानी नकारात्मक घटनाओं पर प्रशासन की दृष्टि अत्यंत सजग और तीक्ष्ण है। फिर सकारात्मक, रचनात्मक और जनहितकारी कार्यों को पहचानने में वही प्रशासन इतना असहाय क्यों दिखाई देता है? क्या अच्छे कार्यों को देखने और समझने की प्रशासनिक दृष्टि अब केवल फाइलों और औपचारिक रिपोर्टों तक सीमित होकर रह गई है? वास्तविकता यह है कि आज प्रशंसा पत्रों की व्यवस्था योग्यता की बजाय प्रक्रिया आधारित होती जा रही है। आवेदन, अनुशंसा, विभागीय चैनल और व्यक्तिगत संपर्क- ये सभी सम्मान प्राप्त करने के अनौपचारिक मानदंड बन चुके हैं। परिणामस्वरूप वही लोग बार-बार सम्मानित होते दिखाई देते हैं जो व्यवस्था के भीतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना जानते हैं, न कि वे जिन्होंने वास्तव में समाज के लिए ज़मीन पर काम किया है। यह स्थिति सम्मान को प्रेरणा के साधन से अधिक एक औपचारिक रस्म में बदल देती है। यह भी देखने में आता है कि कई बार प्रशंसा पत्र सरकारी कर्मचारियों को उनके नियमित दायित्वों के निर्वहन के लिए दे दिए जाते हैं, जबकि उनका कार्य मूलतः उनकी नौकरी का हिस्सा होता है। इसके विपरीत, अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, कलाकार, शिक्षक और स्वतंत्र रूप से काम करने वाले लोग- जो बिना किसी पद या संसाधन के समाज में बदलाव लाने का प्रयास कर रहे होते हैं- प्रशासन की दृष्टि से बाहर ही रह जाते हैं। क्या यह सम्मान की सही कसौटी है? प्रशंसा पत्रों के मूल्य पर भी विचार आवश्यक है। जिन व्यक्तियों को राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर पत्र लिखे जाते हैं, वे केवल औपचारिक सम्मान नहीं होते। ऐसे पत्र व्यक्ति के कृतित्व के ऐतिहासिक दस्तावेज बन जाते हैं। वे शोध-ग्रंथों में उद्धृत होते हैं, सामाजिक स्मृति का हिस्सा बनते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं। इसके विपरीत, आवेदन-आधारित प्रशंसा पत्र अक्सर समारोह समाप्त होते ही अपनी प्रासंगिकता खो देते हैं। सम्मान की सबसे बड़ी कसौटी प्रशासन नहीं बल्कि समाज होता है। पाठक, दर्शक, श्रोता और आम लोग तय करते हैं कि कौन उनके विश्वास पर खरा उतरा और कौन नहीं। साहित्य और कला के क्षेत्र में यह बात और भी स्पष्ट हो जाती है। किसी रचनाकार का मूल्यांकन उसके प्रमाण पत्रों से नहीं, बल्कि उसकी रचनाओं, विचारों और सामाजिक प्रभाव से होता है। यही कारण है कि कई बार बिना किसी औपचारिक सम्मान के भी कुछ लोग समाज में अमर हो जाते हैं, जबकि अनेक पदक और प्रमाण पत्र पाने वाले लोग समय के साथ भुला दिए जाते हैं। यहाँ पद और प्रतिष्ठा के अंतर को समझना भी आवश्यक है। पद से मिलने वाला सम्मान अस्थायी होता है। जब तक व्यक्ति पद पर होता है, तब तक उसके चारों ओर अभिनंदन और औपचारिक सम्मान की भीड़ रहती है। जैसे ही पद समाप्त होता है या व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है, वही भीड़ छँटने लगती है। इसके विपरीत, जो लोग अपने कार्य और कृतित्व के बल पर पहचान बनाते हैं, उनकी प्रतिष्ठा पद से परे होती है और समय के साथ और गहरी होती जाती है। दुर्भाग्य से कुछ अधिकारी पद के मद में यह भूल जाते हैं कि वे राष्ट्र और समाज से बड़े नहीं हैं। पद उन्हें अधिकार देता है, श्रेष्ठता नहीं। यदि किसी अधिकारी ने अपने सेवाकाल में राष्ट्र और समाज के लिए कुछ विशिष्ट नहीं किया, तो ऊँचे पद से सेवानिवृत्ति के बाद भी उसका जीवन सामान्य ही रह जाता है। इतिहास में अधिकारी नहीं बल्कि विचार, कृतियाँ और योगदान दर्ज होते हैं। यह भी सच है कि साहित्य और कला की समझ न रखने वाले कुछ अधिकारी सम्मान की प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में चयन का आधार गुणवत्ता नहीं बल्कि सुविधा और औपचारिकता बन जाता है। इससे न केवल वास्तविक योगदान करने वालों के साथ अन्याय होता है, बल्कि सम्मान की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। प्रश्न यह भी उठता है कि जब किसी व्यक्ति के कार्यों को मीडिया ने व्यापक रूप से कवर किया हो, समाज ने स्वीकार किया हो और उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता हो, तो फिर उसे प्रशासनिक प्रशंसा-पत्र के लिए आवेदन करने की आवश्यकता ही क्यों होनी चाहिए? क्या यह सम्मान की मूल भावना के विपरीत नहीं है? वास्तव में, सम्मान माँगने की वस्तु नहीं है। वह समाज और व्यवस्था द्वारा स्वतः दिया गया प्रमाण होना चाहिए। यदि किसी को स्वयं आगे बढ़कर यह कहना पड़े कि उसने अच्छा काम किया है और इसलिए उसे सम्मानित किया जाए तो यह सम्मान की आत्मा को कमजोर करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन सम्मान की संस्कृति पर गंभीर पुनर्विचार करे। चयन-प्रक्रिया पारदर्शी हो, स्वतः संज्ञान की परंपरा विकसित हो और वास्तविक योगदान को प्राथमिकता दी जाए। सम्मान उन लोगों को मिले जो बिना किसी अपेक्षा के समाज के लिए कार्य कर रहे हैं, न कि उन्हें जो केवल प्रक्रिया को साधना जानते हैं।

अपने ही बोझ से ढहता ईरान का 'मुल्ला तंत्र'

मृदुल कृष्ण

ईरान में 22 वर्षीय कुर्द युवती महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में क्रूर पिटाई से हुई मौत ने साल 2022 में ऐसी आग लगाई जो आज भी सुलग रही है। हिजाब न पहनने के आरोप में तेहरान में गिरफ्तार हुई महसा कभी घर नहीं लौटीं। पुलिस ने दिल का दौरा बताकर उसकी मौत छिपाने की कोशिश की लेकिन परिवार और दुनिया ने इसे राज्य-प्रायोजित हत्या माना। उससे भी बढ़कर ईरान के लोगों ने इसे नृशंस हत्या माना, जो इस पूरी पटकथा का मूल पहलू है। यूएन फैक्ट फाइंडिंग मिशन ने साल 2024 में कहा कि महसा की मौत राज्य की शारीरिक हिंसा से हुई। इसके बाद 19 मई 2023 की सुबह ईरान के शासन ने माजिद काजेमी (30 वर्ष), सालेह मीरहाशेमी (36 वर्ष) और सईद याघौबी (37 वर्ष) को फांसी पर लटका दिया। ये तीनों महसा अमीनी की मौत के बाद साल 2022 में पूरे ईरान में फैले विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे। खासकर मध्य ईरान के इस्फहान शहर में। ईरानी न्यायपालिका ने इन पर मोहारेबेह (अल्लाह के खिलाफ युद्ध छेड़ना) का आरोप लगाया, जो मौत की सजा वाला अपराध है। आरोप था कि नवंबर 2022 में इस्फहान के विरोध प्रदर्शनों के दौरान इन तीनों ने कथित तौर पर बंदूक चलाई, जिसके परिणामस्वरूप एक पुलिस अधिकारी और दो बसिज मारे गए। इनकी गिरफ्तारी नवंबर 2022 में हुई और केवल दो महीने के भीतर जनवरी 2023 में मौत की सजा सुनाई गई। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इस ट्रायल को पूरी तरह फर्जी और अन्यायपूर्ण करार दिया। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इसे टॉर्चर-आधारित बताया, जहां इन तीनों को गिरफ्तारी के बाद यातना दी गई ताकि जबरन कबूलनामा लिया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार विशेषज्ञों ने भी 19 मई 2023 को इन फांसियों पर गहरा दुख जताया और कहा कि ईरान में विरोध प्रदर्शनों से जुड़े लोगों को दबाने के लिए मौत की सजा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। महसा अब सिर्फ एक आम महिला नहीं, बल्कि ईरानी महिलाओं की आजादी की प्रतीक बन चुकी हैं। उनके नाम पर महिला, जीवन, स्वतंत्रता का नारा गूंज रहा है। पूरे ईरान में महिलाएं (और पुरुष भी) सड़कों पर उतर आई हैं, हिजाब फेंक रही हैं, अपने लंबे बाल काट रही हैं और दमन के बावजूद न्याय की मांग कर रही हैं। यह विरोध अब तक नए रूप में फैल चुका है। जिसमें दिसंबर 2025 से तेहरान के ग्रैंड बाजार में व्यापारियों की हड़ताल और कई शहरों में फैले प्रदर्शन शामिल हैं। जहां आर्थिक तबाही (रियाल अब खुले बाजार में लगभग 14 लाख से 15 लाख प्रति डॉलर के आसपास पहुंच चुका है) और पुराने दमन ने 'मुल्ला तंत्र' को गहरे संकट में डाल दिया है। शासन कठोर नियंत्रण और फांसी जैसे दमन से अपनी इस्लामी क्रांति की विरासत बचाने की कोशिश में जुटा है लेकिन ये प्रयास हताशा और अस्थिरता से भरे दिखते हैं। सामाजिक असंतोष, आर्थिक बदहाली और इजरायल-अमेरिका जैसे टकराव ने इस तानाशाही को भीतर से खोखला कर दिया है। क्यों हमलावर हैं अमेरिका-इजरायल अमेरिका और इजरायल के ईरान के प्रति आक्रामक रुख को समझने के लिए इतिहास में लौटना जरूरी है। यह दुश्मनी कोई अचानक नहीं बल्कि दशकों की जड़ों वाली है। ईरान और अमेरिका के रिश्तों में पहली बड़ी दरार 1979 की इस्लामी क्रांति से पहले ही पड़ चुकी थी, खासकर 1953 में। उस साल सीआईए और ब्रिटिश एमआई6 ने मिलकर ऑपरेशन अजाक्स (ऑपरेशन बूट) चलाया, जिसमें ईरान के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसद्देक को उखाड़ फेंका गया। मोसद्देक ने ब्रिटिश-नियंत्रित तेल कंपनी एंग्लो-ईरानियन ऑयल (अब बीपी) का राष्ट्रीयकरण किया था, जिससे पश्चिमी हितों को खतरा महसूस हुआ। इस तख्तापलट के बाद शाह मोहम्मद रजा पहलवी को फिर से सत्ता सौंपी गई, जो अमेरिका का भरोसेमंद सहयोगी बन गया। शाह ने पुलिस के जरिए कठोर दमन किया, पश्चिमी जीवनशैली को बढ़ावा दिया और इजरायल के साथ गुप्त संबंध बनाए रखे। लेकिन यह अमेरिकी समर्थन ईरानी जनता में गहरा असंतोष पैदा कर गया। 1953 का तख्तापलट आज भी ईरानी प्रचार में अमेरिकी साम्राज्यवाद का प्रतीक है। 1979 में अयातुल्ला रुहोल्ला खुमैनी ने जनआंदोलन के जरिए शाह को सत्ता से बेदखल किया और इस्लामी गणराज्य की स्थापना की। खुमैनी ने अमेरिका को महान शैतान और इजरायल को छोटा शैतान करार दिया। क्रांति के तुरंत बाद तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर 444 दिनों तक 52 अमेरिकी नागरिकों को बंधक बनाया गया, जिसने दुश्मनी को स्थायी बना दिया। खुमैनी ने ईरान को सिर्फ एक राष्ट्र नहीं, बल्कि पूरी इस्लामी दुनिया का क्रांतिकारी मार्गदर्शक घोषित किया। इस सोच के तहत फिलिस्तीन मुद्दे को केवल कूटनीतिक समर्थन तक सीमित नहीं रखा गया बल्कि इजरायल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष को राज्य नीति का हिस्सा बनाया गया। इजरायल के साथ ईरान का टकराव और इसराइल के अस्तित्व के प्रश्न से जुड़ा है। खुमैनी के नेतृत्व में ईरान ने खुद को न केवल एक देश की तरह बल्कि पूरी इस्लामी दुनिया के मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया। इसी सोच के तहत उसने फिलिस्तीन मुद्दे को केवल कूटनीतिक समर्थन तक सीमित नहीं रखा बल्कि इज़रायल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दिया। लेबनान में हिज़्बुल्ला जैसे संगठनों को संगठित करना, उन्हें धन और हथियार उपलब्ध कराना इसी रणनीति का हिस्सा रहा है। इसके साथ ही गाज़ा पट्टी में सक्रिय हमास को भी ईरान लंबे समय से आर्थिक और सैन्य सहायता देता रहा है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम इस टकराव को और खतरनाक बना देता है। इज़रायल इसे अपने अस्तित्व पर सीधे खतरे के तौर पर देखता है। यही कारण है कि इज़रायल के लिए ईरान का मजबूत होना 'करो या मरो' जैसी स्थिति पैदा करता है। इसके अलावा यमन, सीरिया और इराक में ईरान समर्थित सशस्त्र गुटों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि तेहरान 1979 की इस्लामी क्रांति के प्रभाव को पूरे अरब जगत में फैलाने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसराइल के लिए यह जंग इसी समय जीतना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि ईरान परमाणु सम्पन्न हुआ या अगले मध्यावधि चुनाव में अमेरिकी संसद में ट्रम्प ने बहुमत खो दिया तो शायद इजरायल भविष्य में ईरानी आक्रमण में अपना अस्तित्व हमेशा के लिए खो दे। पिछला सैन्य विकल्प क्यों टला ? जब खुले बाजार में डॉलर के मुकाबले ईरानी रियाल ऐतिहासिक रूप से कमजोर हुआ तो इसका सीधा असर तेहरान के व्यापारिक वर्ग पर पड़ा। मुद्रा संकट के विरोध में शुरू हुए व्यापारियों के प्रदर्शन जल्द ही राजधानी से बाहर अन्य शहरों तक फैल गए। इसी अवसर की तलाश में बैठे ट्रम्प ने ईरान पर हमले का पूरी तरह मन बना लिया था। इसी बीच अचानक वैश्विक मीडिया विमर्श का केंद्र बदल गया और ईरान से जुड़ी खबरें पीछे चली गईं। हालांकि बाद में सामने आई रिपोर्टों से संकेत मिला कि यह बदलाव केवल सतही था। कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन के भीतर सैन्य कार्रवाई की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी थीं, इसके बावजूद निर्णायक कदम नहीं उठाया गया।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यावसायिक कार्य योजना में बदलाव करना जरूरी है। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मददगार रहेगा। आज आपकी इनकम अच्छी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को जल्दी ही स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज पारिवारिक सुख-शांति का माहौल रहेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस में अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा, इसलिए आलस करने से बचना चाहिए। आज अपने संपर्क सूत्रों को और अधिक सुदृढ़ करें, क्योंकि यह आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक साबित होने वाले हैं । आज आपको किसी प्रकार की नई जानकारी भी हासिल होगी। बच्चे पढ़ाई पर फोकस करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज परिवार का संपत्ति संबंधित मामला सुलझ सकता है, जिसमें आपको घर के सदस्यों की मदद भी मिलेगी । आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आज खर्चों की अधिकता की वजह से मन कुछ उलझन में रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है। किसी प्रभावशाली इंसान की सलाह और मदद से आपको नई उपलब्धि मिल सकती है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा । आज दिन भर दौड़-धूप तथा मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी। किसी मित्र की मदद करने से आपका मन शांत रहेगा। इस राशि के युवाओं को अपने करियर संबंधी प्रयासों में मन मुताबिक परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज इस बात का भी ध्यान रखें, कि भावनाओं में आकर महत्वपूर्ण निर्णय ना ले । माता-पिता अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है। आज किसी भी तरह की आवाजाही करने से समय और पैसा खर्च हो सकता है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। आज आलस या दूसरों की वजह से अपने महत्वपूर्ण काम को नजरअंदाज न करें। आर्थिक मामलों में बजट आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आज समझदारी और सावधानी से काम लेने का समय है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। आज का दिन बहुत ही सुकून भरा रहेगा। परिवार के साथ मनोरंजन तथा ऑनलाइन शॉपिंग जैसी गतिविधियों में बीतेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। दिन भर भाग-दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित मामले में आज परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है। इस राशि के लोग अपने भविष्य को लेकर गंभीर रहेंगे, आपको जल्दी ही शुभ समाचार भी मिलने वाला है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय के स्थान पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे। परंतु फिर भी फोन द्वारा अधिकतर काम सुचारू रूप से संपन्न हो जाएंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नयी ऊर्जा का संचार होगा। रोजमर्रा की दिनचर्या से सुकून पाने के लिए आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा, जिससे तन और मन दोनों प्रफुल्लित रहेंगे।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कुछ ना कुछ चुनौतियां भी रह सकती हैं। विपरीत परिस्थिति आने पर घबराएं नहीं और समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे तो सब ठीक हो जायेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अभिषेक शर्मा से भी ज्यादा खतरनाक कौन? आकाश चोपड़ा ने लिया बड़ा नाम

एजेंसी, नई दिल्ली

अभिषेक शर्मा इस समय वर्ल्ड क्रिकेट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में गिने जा रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में उन्होंने महज 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 20 गेंदों पर 68 रन ठोककर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 340 का रहा, जिसने क्रिकेट जगत को चौंका दिया। अभिषेक की इस तूफानी पारी के बाद उन्हें मौजूदा दौर का सबसे खतरनाक बल्लेबाज कहा जाने लगा है। हालांकि, भारत के पूर्व टेस्ट ओपनर और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर आकाश चोपड़ा इस राय से पूरी तरह सहमत नजर नहीं आए। आकाश चोपड़ा ने हाल ही में एक वीडियो में अभिषेक शर्मा से भी ज्यादा खतरनाक बल्लेबाज का नाम बताया। इस वीडियो में आकाश चोपड़ा से कहा गया था कि अगर उन्हें लगता है कि कोई बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से ज्यादा विस्फोटक है, तो उसका नाम लें, वरना चुप रहें। इस दौरान उनसे मिचेल मार्श, फिन एलेन, सुरेश रैना, फाफ डुप्लेसी, डेविड वॉर्नर, निकोलस पूरन, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, सूर्यकुमार यादव, एडम गिलक्रिस्ट, वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के नाम लिए गए। इन तमाम नामों पर आकाश चोपड़ा खामोश रहे, लेकिन जैसे ही क्रिस गेल का नाम सामने आया, उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ दी। आकाश चोपड़ा ने क्रिस गेल को अभिषेक शर्मा से भी ज्यादा खतरनाक और बेखौफ बल्लेबाज बताया। उन्होंने कहा कि 'यूनिवर्स बॉस' क्रिस गेल ने यह कारनामा बहुत लंबे समय तक किया है, शायद एक दशक से भी ज्यादा समय तक। आकाश के मुताबिक, भविष्य में अभिषेक शर्मा क्रिस गेल से भी आगे निकल सकते हैं, लेकिन मौजूदा तुलना में गेल का प्रभाव और डर कहीं ज्यादा रहा है। क्रिस गेल भले ही अब इंटरनेशनल या प्रोफेशनल क्रिकेट में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन एक दौर ऐसा था जब वह अकेले दम पर मैच का रुख पलट दिया करते थे। उनकी बल्लेबाजी के सामने गेंदबाज बेबस नजर आते थे और विरोधी टीम पर दबाव साफ दिखता था। टी20 क्रिकेट में उनसे ज्यादा खतरनाक बल्लेबाज उस समय शायद ही कोई रहा हो। वहीं अभिषेक शर्मा की बात करें तो पिछले मैच में वह पहली गेंद पर छक्का लगाने के प्रयास में आउट हो गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने आक्रामक अंदाज में कोई कमी नहीं आने दी। अगले मुकाबले में उन्होंने उसी बेखौफ रफ्तार से बल्लेबाजी की और 20 गेंदों में एक भी डॉट बॉल नहीं खेली। उनकी 68 रनों की पारी में 62 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से आए, जो उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और आत्मविश्वास को साफ दर्शाता है।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी

एजेंसी, विशाखापत्तनम

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 क्रिकेट मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले तीन मैचों में जीत के साथ ही सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त अपने नाम कर ली है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी कीवी टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम इस मैच में सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतार सकती है। इसका कारण है कि सैमस पहले तीन मैचों में पारी की शुरुआत करते हुए असफल रहे हैं। उनकी जगह ईशान किशन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम की ओर से अभी तक कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा अभिषेक शर्मा सहित अन्य बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है पवर स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम इनके फार्म में आने की उम्मीद करेगी। कुलदीप ने अबतक दो मैचों में केवल दो विकेट लिए हैं। उन्होंने प्रति ओवर 9.5 रन लुटाए। पिछले मैच में भी कुलदीप ने तीन महंगे ओवर किए जिनमें उन्होंने 32 रन दिए पर अन्य गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या के अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम ने विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर जीत हासिल की। कुलदीप इससे पहले एकदिवसीय सीरीज में भी प्रभावित नहीं कर पाए थे, जिसमें उन्होंने तीन मैचों में तीन विकेट लिए थे। वरुण को पिछले मैच में आराम दिया गया था पर पहले दो मैच में भी उनकी गेंदबाजी बेअसर रही। ऐसे में ये भी हो सकता है कि इस मैच में रवि बिश्नोई ही उतरें। बिश्नोई ने पिछले मैच में 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इस मैच में वापसी कर रहे ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरते हैं तो उनकी फिटनेस पर भी सबकी नजरें रहेंगी। वह उंगली में चोट के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। भारतीय टीम चाहेगी कि इस मैच से उसके स्पिनर भी लय हासिल कर लें जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम शीर्ष पर बनी हुई है। भारत की बल्लेबाजी पिछले दोनो ही मैचों में आक्रामक रही है। उसने दूसरे और तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में काफी तेजी से रन बनाकर जीत दर्ज की है। इस मैच में भी यही कहानी रह सकती है। इस श्रृंखला में सीरीज में केवल सैमसन ही असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में 5.33 की औसत से 16 रन ही बना पाए हैं जिससे टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठने लग गए हैं पर तिलक वर्मा के बाहर होने से उन्हें इस मैच में भी बनाये रखने की उम्मीदें हैं। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड टीम अब तक इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने टिक नहीं पायी है। उसके बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये हैं। तेज गेंदबाज जेकब डफी के अलावा मैट हेनरी , काइल जैमीसन के अलावा स्पिनर मिचेल सैंटनर भी विफल रहे हैं। अब बचे हुए दो मैचों में कीवी टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप से पहले लय हासिल करने का प्रयास करेंगे।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

न्यूजीलैंड : मिशेल सेंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी।

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम का वेस्टइंडीज दौरा, खेलेगी छह मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज़

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम फरवरी के आखिर से मार्च की शुरुआत तक वेस्टइंडीज के दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच छह मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज़ खेली जाएगी। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो 20 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित होंगे। सीरीज़ के सभी मुकाबले ग्रेनेडा के नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। वनडे सीरीज़ की शुरुआत 20 फरवरी को होगी, जबकि शेष दो मैच 22 और 25 फरवरी को खेले जाएंगे। इसके बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का आगाज़ 28 फरवरी से होगा, वहीं दूसरे और तीसरे टी20 मैच क्रमशः 1 और 3 मार्च को खेले जाएंगे। टी20 सीरीज़ को खास अहमियत दी जा रही है, क्योंकि दोनों टीमें इस साल के अंत में इंग्लैंड में होने वाले 2026 महिला टी20 विश्व कप की तैयारियों को धार देने उतरेंगी। वेस्टइंडीज और श्रीलंका को ग्रुप-2 में रखा गया है, जहां उनके साथ इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और दो क्वालीफायर टीमें भी शामिल होंगी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा,"श्रीलंका की राष्ट्रीय महिला टीम फरवरी–मार्च 2026 के दौरान वेस्टइंडीज का दौरा करेगी, जहां वह तीन मैचों की वनडे और तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ खेलेगी। दौरे की शुरुआत वनडे सीरीज़ से होगी, जिसके बाद टी20 मुकाबले ग्रेनेडा में आयोजित किए जाएंगे।" श्रीलंका की टीम 2024 एशिया कप के बाद से जारी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ जीत के सूखे को खत्म करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। वहीं मेज़बान वेस्टइंडीज हालिया घरेलू प्रदर्शन से आत्मविश्वास से भरी हुई है, जिसने अपने पिछले दौरों में बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज़ जीती थी। दोनों टीमों के बीच आखिरी बार 2024 में कैरेबियन में भिड़ंत हुई थी, जहां श्रीलंका ने वनडे सीरीज़ में 3–0 से क्लीन स्वीप किया था, जबकि वेस्टइंडीज ने टी20 सीरीज़ 2–1 से अपने नाम की थी। महिला वनडे रैंकिंग में श्रीलंका इस समय छठे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज नौवें पायदान पर काबिज़ है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में वेस्टइंडीज छठे और श्रीलंका सातवें स्थान पर मौजूद है।

टी20 मुकाबले दिन में कराये जायें : अश्विन

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट मुकाबले दिन के समय होने चाहिये। अभी ये मुकाबले रात में होते हैं। अश्विन ने कहा कि आने वाले समय में मैचों को दिन में रखने से गेंदबाजों को भी सहयता मिलेगी जिससे गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बना रहेगा। अश्विन ने कहा कि अभी रात में मैच होने से बल्लेबाज हावी रहते है और बड़ा लक्ष्य भी हासिल कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम ने 200 रनों से अधिक का लक्ष्य पांच ओवर पहले ही हासिल कर लिया। जिससे समझा जा सकता है कि ओस के दौरान गेंदबाजी करना कितना कठिन होता है। ऐसे में मैच में गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रह जाता है। अश्विन ने कहा कि ओस के कारण गेंदबाजों के लिए असर डालना असंभव सा होता है। अश्विन ने पर कहा, " भारत की बल्लेबाजी के दौरान न्यूजीलैंड के गेंदबाज निराश दिखे थे। ऐसी ओस में टीमों को खेलने के भेजना सहीं नहीं है। ऐसे हालात में क्रिकेट कौशल की जरूरत ही नहीं पड़ती।," वहीं अगर इन्हीं पिचों पर दोपहर में मैच खेले जायें तो 150 से 170 रन भी मुश्किल से बनें।"अश्विन के अनुसार ओस के कारण अच्छी गेंद पर भी रन बन जाते हैं। इसलिए इस प्रकार के असंतुलन" को हटाना जरुरी हैं। दिन और रात में विकेट में काफी अंतर होता है। भारत में ऐसा होता ठीक नहीं है। बहुत ही गलत है अच्छी गेंद पर भी रन बन जाते हैं और गेंदबाजों के पास कोई विकल्प नहीं बचता। बल्ले और गेंद के बीच का असंतुलन काफी रहता है।," अश्विन ने आगे कहा, "मेरा मानना है कि न्यूजीलैंड अपनी गेंदबाजों में बदलाव के लिए नहीं बढ़ेगा क्योंकि वह जानता है कि गेंदबाजों के हाथ में ज्यादा कुछ नहीं था। वहीं कई बार ऐसा होता है कि टीमें इस प्रकार के माहौल में हालात नहीं देखते हुए खिलाड़ी को बाहर कर देती हैं। इस दौरान ये नहीं देखा जाता कि खिलाड़ी के हाथ में कुछ नहीं था।

जोस बटलर बने 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी

एजेंसी, कोलंबो

इंग्लैंड के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ जोस बटलर ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 400 मैच खेलने वाले इंग्लैंड के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने यह मुकाम मंगलवार को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले के दौरान हासिल किया। 35 वर्षीय बटलर इस मामले में अब केवल दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन से पीछे हैं। एंडरसन ने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 401 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह देश की ओर से सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। विश्व क्रिकेट के महानतम सीमर्स में शुमार एंडरसन ने अपने करियर में कुल 991 विकेट हासिल किए। जोस बटलर के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें, तो उन्होंने अब तक 12,291 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में बटलर ने 57 मैचों की 100 पारियों में 2,907 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनका औसत 31.94 का रहा है, जिसमें दो शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे क्रिकेट में बटलर ने 198 मैचों की 171 पारियों में 5,515 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 39.11 का रहा है और उन्होंने 11 शतक व 29 अर्धशतक जड़े हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बटलर ने 144 मैचों की 132 पारियों में 3,869 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनका औसत 35.49 का रहा है, जिसमें एक शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं। दो बार आईसीसी व्हाइट-बॉल खिताब जीत चुके जोस बटलर आगामी आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 का भी हिस्सा हैं, जिसकी शुरुआत 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में होगी। इंग्लैंड ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें स्टार बल्लेबाज़ हैरी ब्रूक को कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड अपना अभियान 8 फरवरी को नेपाल के खिलाफ मुकाबले से शुरू करेगा।

व्यापार

उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए ट्रेड डील से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। सेंसेक्स गिरावट के साथ खुला था, जबकि निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ शुरुआत की थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों की चाल में कमजोरी आ गई। पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे शेयर बाजार की चाल में सुधार होने लगा। कारोबार के दौरान दिन के ज्यादातर समय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन आखिरी घंटे में चौतरफा खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में जोरदार तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल और डिफेंस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 454.58 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.56 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार

से करीब 3.02 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,473 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,947 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,345 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 181 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,933 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,311 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,622 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 100.91 अंक की कमजोरी के साथ 81,436.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 449.11 अंक की कमजोरी के साथ 81,088.59 अंक तक गिर गया। इसके कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आने लगी। आज दिन के कारोबार में ज्यादातर समय तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। दोपहर 2:30 बजे के बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण ये सूचकांक दिन के निचले स्तर से 996.33 अंक उछल कर 547.22 अंक की मजबूती के साथ 82,084.92 अंक तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 227.44 अंक फिसल कर 319.78 की बढ़त के साथ 81,857.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

नए शिखर पर सोना और चांदी, 1.62 लाख तक पहुंची सोने की कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी ने एक बार फिर नए शिखर पर पहुंचने में सफलता हासिल की है। सोना आज 1,570 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,710 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी ने 25,200 रुपये प्रति किलोग्राम की जोरदार छलांग लगाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी 113.46 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया है, जिसका प्रत्यक्ष असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत पर पड़ा है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,61,960 रुपये से लेकर 1,62,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,48,460 रुपये से लेकर 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी जबरदस्त तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,60,100

रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,110 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,61,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सितंबर 2026 में लांच हो सकती है आईफोन 18 सीरीज

नई दिल्ली। एप्पल कंपनी सितंबर 2026 में आईफोन 18 सीरीज को लॉन्च कर सकती है, जिसमें सबसे पहले आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स को पेश किए जाने की संभावना है। यह सीरीज डिजाइन, परफॉर्मेंस और टेक्नोलॉजी के मामले में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव लेकर आ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार आईफोन 18 प्रो सीरीज में एप्पल का नया और पावरफुल ए20 प्रो चिपसेट दिया जा सकता है, जो परफॉर्मेंस और एनर्जी एफिशिएंसी दोनों में बड़ा सुधार करेगा। यह नया प्रोसेसर न सिर्फ हाई-एंड गेमिंग और मल्टीटास्किंग को स्मूद बनाएगा, बल्कि बैटरी लाइफ को भी बेहतर करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही फोन में एलटीपीओ प्लस अमोलेड डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है, जो बेहतर रिफ्रेश रेट मैनेजमेंट के जरिए कम बैटरी खपत के साथ शानदार विजुअल एक्सपीरियंस देगा। डिजाइन के मोर्चे पर भी एप्पल कुछ बड़ा बदलाव कर सकता है। कहा जा रहा है कि आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स में अंडर डिस्प्ले फेस आईडी टेक्नोलॉजी देखने को मिल सकती है, जिससे फ्रंट स्क्रीन और ज्यादा क्लीन और सिमलेस नजर आएगी। डायनामिक इसलेंड को या तो और छोटा किया जा सकता है या फिर उसके डिजाइन में बदलाव किया जा सकता है। स्क्रीन के अंदर कैमरा और सेंसर सेटअप के कारण फोन का फ्रंट लुक पहले से ज्यादा प्रीमियम और मॉडर्न हो सकता है। कैमरा सेक्शन

में भी बड़े अपग्रेड की चर्चा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल बेहतर सेंसर और एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग के साथ कैमरा सिस्टम को और मजबूत बना सकता है, जिससे लो-लाइट फोटोग्राफी और वीडियो रिकॉर्डिंग में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। इसके अलावा, नए कलर ऑप्शंस जैसे पर्पल और बरगंडी को भी आईफोन 18 प्रो सीरीज में शामिल किया जा सकता है, जो इसे मौजूदा मॉडलों से अलग पहचान देंगे।

महिंद्रा थार रॉक्स स्टार एडिशन की डिजाइन का लॉन्च से पहले खुलासा

नई दिल्ली। हाल ही में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की अपकमिंग थार रॉक्स स्पेशल एडिशन को एक डीलर यार्ड में देखा गया है। इस वजह से कार की आधिकारिक लॉन्च से पहले ही डिजाइन और अहम डिटेल्स सामने आ गई हैं। कंपनी ने 2026 के लिए एक नए रॉक्स वैरिएंट को टीज किया था। ताजा स्पाई तस्वीरों से साफ हो गया है कि यह कोई मैकेनिकल अपडेट नहीं, बल्कि एक कॉस्मेटिक स्पेशल एडिशन है, जिसमें ब्लैक-आउट थीम को खास तौर पर प्राथमिकता दी गई है। लीक हुई तस्वीरों के मुताबिक, इस नए वैरिएंट को थार रॉक्स स्टार एडिशन कहा जाएगा और यह एएक्स7 एल ट्रिम पर आधारित होगा। थार रॉक्स स्टार एडिशन में सबसे बड़ा बदलाव

इसके एक्सटीरियर में देखने को मिलता है। एसयूवी में ब्लैक एलॉय व्हील्स दिए गए हैं, जो स्टैंडर्ड रॉक्स वैरिएंट में मिलने वाले डुअल-टोन या मेटैलिक फिनिश व्हील्स की जगह लेते हैं। स्टील्थ ब्लैक एक्सटीरियर कलर के साथ इसका लुक ज्यादा अग्रेसिव और यूनिफॉर्म नजर आता है। ग्रिल, बंपर और लाइटिंग सेटअप जैसे अन्य बाहरी एलिमेंट्स में भी हल्के कॉस्मेटिक बदलाव दिखते हैं, जिससे साफ है कि महिंद्रा ने इस स्पेशल एडिशन में डिजाइन को और बोल्ड बनाने पर फोकस किया है। इंटीरियर की बात करें तो एएक्स7 एल आधारित इस एडिशन में ब्लैक थीम वाला केबिन देखने को मिलता है। इसमें ब्लैक डैशबोर्ड, ब्लैक लेदरेट सीट अपहोल्स्ट्री और डार्क ट्रिम्स शामिल हैं। हालांकि, पूरी तरह से ब्लैक-आउट फील से बचने के लिए बेज रूफ लाइनर और डोर पैनल के कुछ हिस्सों को बरकरार रखा गया है, जिससे केबिन में डुअल-टोन कंट्रास्ट बनता है। यह इसे रेगुलर आइवरी व्हाइट और मोचा ब्राउन इंटीरियर से अलग पहचान देता है। पहले जारी टीजर से भी संकेत मिल चुका है कि थार रॉक्स स्टार एडिशन कोई फेसलिफ्ट नहीं है और इसमें पावरट्रेन या फीचर लिस्ट में बदलाव नहीं किया गया है।

स्विगी के तीसरी तिमाही नतीजों से पहले बाजार में हलचल तेज

ग्रोथ तेज लेकिन घाटा थमने का नाम नहीं ले रहा

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी गुरुवार को वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करने जा रही है। नतीजों से पहले बाजार और निवेशकों में हलचल तेज है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि मजबूत ग्रोथ के बावजूद क्या कंपनी मुनाफे के करीब पहुंच पाएगी या घाटा और बढ़ेगा। ब्रोकरेज रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिसंबर तिमाही में स्विगी का शुद्ध घाटा बढ़कर करीब 983 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 693.6 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था, जबकि पिछली तिमाही में घाटा 953.6 करोड़ रुपये*रहा था। आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि फिलहाल घाटा कम होने के बजाय बढ़ता नजर आ रहा है। हालांकि घाटे के बीच कमाई के

मोर्चे पर स्विगी की तस्वीर मजबूत दिख रही है। अनुमान है कि तीसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 48 फीसदी बढ़कर करीब 5,909 करोड़ रुपये हो सकता है। तिमाही आधार पर भी रेवेन्यू में लगभग 6 फीसदी की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। ब्रोकरेज के अनुसार स्विगी की ग्रोथ का सबसे बड़ा ड्राइवर क्विक कॉमर्स सेगमेंट स्स्टॉमाट है। इस सेगमेंट में ऑर्डर और बिक्री में 100 फीसदी से ज्यादा की सालाना बढ़ोतरी संभव है।

बॉर्डर 2 में वरुण धवन के साथ प्रमुख भूमिका में आईं नजर मेधा राणा; लंदन फाइल्स सीरीज से की करियर की शुरुआत

साल 2026 की मच अवेटेड फिल्म बॉर्डर 2 आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। इस वॉर ड्रामा फिल्म में नवोदित अभिनेत्री मेधा राणा भी नजर आई हैं। मेधा फिल्म में वरुण धवन के अपोजिट नजर आई हैं। फिल्म के टीजर के बाद से ही मेधा राणा सुर्खियों में हैं और अब रिलीज के बाद लोग मेधा राणा के बारे में जानना चाहते हैं। यहां जानिए मेधा राणा के शुरुआती जीवन, करियर की शुरुआत और पढ़ाई के बारे में 25 दिसंबर 1999 को जन्मी मेधा एक ऐसे परिवार में पली-बढ़ीं, जिसका सार्वजनिक क्षेत्र से गहरा संबंध था। उनके पिता सुनील राणा सरकारी कर्मचारी हैं। उनकी मां ऋतु राणा ने स्किल्स एकेडमी शख्सियत की सह-स्थापना की है और उनकी एक बहन हैं, जिनका नाम प्रियंका राणा है। मेधा ने चंडीगढ़ के कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। उसके बाद बेंगलुरु के आर्मी पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया। बाद में उन्होंने बेंगलुरु के क्राइस्ट यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिग्री हासिल की। यहीं से उनके अंदर मॉडलिंग और एक्टिंग में जाने की जिज्ञासा बढ़ी। बॉर्डर 2 से सुर्खियां बटोरने वाली मेधा राणा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2022 में

आई वेब सीरीज लंदन फाइल्स से की थी। इस सीरीज में उनके साथ अभिनेता अर्जुन रामपाल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने नेटफ्लिक्स की सीरीज फ्राइडे नाइट प्लान में बाबिल खान के साथ अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा मेधा कई ब्रांड्स के विज्ञापनों में भी नजर आई हैं। अब बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म में नजर आने के बाद मेधा के करियर को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। मेधा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर प्रमोशनल पोस्ट के अलावा भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती रहती हैं। 26 साल की अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 212के फॉलोअर्स हैं। बॉर्डर 2 में मेधा राणा वरुण धवन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म में मेधा ने धन्नो देवी दाहिया का किरदार निभाया है। वो वरुण धवन के किरदार परमवीर चक्र विजेता होशियार सिंह दहिया की पत्नी की भूमिका में हैं। फिल्म में मेधा की मासूमियत को काफी पसंद किया जा रहा है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 एक वॉर ड्रामा फिल्म है। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित इस फिल्म में सनी देओल प्रमुख, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी ने असल किरदार निभाए हैं। इसके अलावा फिल्म में मोना सिंह, सोनम बाजवा, आन्या सिंह और मेधा राणा भी अहम भूमिकाओं में हैं।

वध 2 का दमदार पोस्टर जारी, संजय मिश्रा और नीना गुप्ता आए नजर, 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

थिएटर में रिलीज होने में अब सिर्फ एक महीना बाकी है और वध 2 को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है. इसी बीच लव फिल्म्स ने संजय मिश्रा और नीना गुप्ता वाला एक दमदार नया पोस्टर रिलीज किया है. 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली यह फिल्म एक मजबूत और अपने साथ बांधे रखने वाली कहानी का वादा करती है, जो सोच, नैतिकता और सच की नाज़ुक परतों को गहराई से छूती है. नए पोस्टर में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक शांत और सोच में डूबे हुए पल में नजर आ रहे हैं। उनकी गंभीर और ठहरी हुई मौजूदगी इशारा करती है कि कहानी कई नजरियों से बनी है, जहां सच एक जैसा नहीं बल्कि परतों में छिपा है. यह पोस्टर दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि नजरिया, इरादा और विश्वास कैसे बदलते हैं. जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखी और निर्देशित वध 2 में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता बिल्कुल नए किरदारों में नजर आएंगे. यह फिल्म एक नई कहानी लेकर आती है, लेकिन वध की वही भावनात्मक और सोचने पर मजबूर करने वाली गहराई बरकरार रखती है. लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स के बैनर तले बनी यह स्पिरिचुअल सीक्वल 2026 की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक बन चुकी है. वध 2 को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है, खासकर 56वें आईएफएफआई 2025 में जब फिल्म का गाला प्रीमियर हाउसफुल शो में हुआ. स्क्रीनिंग के बाद लंबे समय तक तालियां बजती रहीं और फिल्म को खूब सराहना मिली. इस मौके ने एक बार फिर साबित कर दिया कि संजय मिश्रा और नीना गुप्ता भारतीय सिनेमा के सबसे दमदार और भरोसेमंद कलाकारों में से हैं. लव फिल्म्स के बैनर तले बनी वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डाय

बॉर्डर 2 के क्रेज के बीच री-रिलीज हुई अजित कुमार की 15 साल पुरानी एक्शन थ्रिलर फिल्म मनकथा, पहले दिन की छप्पर फाड़ कमाई, दर्शक जला रहे पटाखे

सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ स्टारर वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 बीती 23 जनवरी को रिलीज हो गई है. बॉर्डर 2 ने भार में पहले दिन 32.10 करोड़ रुपये से खाता खोला है. बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है और आने वाले दो हफ्तों तक फिल्म धमाकेदार कमाई करने वाली है. बॉर्डर 2 को लेकर देशभर में खूब क्रेज है और इस क्रेज के बीच साउथ सिनेमा से 15 साल पुरानी एक ऐसी फिल्म री-रिलीज हुई है, जिसने अपनी पहले दिन की कमाई से बॉक्स ऑफिस हिला डाला है. बात हो रही है साउथ सुपरस्टार अजित कुमार की एक्शन थ्रिलर फिल्म मनकथा की. मनकथा का निर्देशन वेंकट प्रभु ने किया था. अजित के करियर की 50वीं फिल्म मनकथा साल 2011 में रिलीज हुई थी. सैकनिल्क की मानें तो मनकथा ने अपनी री-रिलीज के लिए बुक माय शो पर अकेले तमिल में एडवांस बुकिंग में 2.25 करोड़ रुपये कमाए हैं. मनकथा ने एडवांस बुकिंग की कमाई से थलपति विजय की घिली की री-रिलीज की एडवांस बुकिंग की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. मनकथा ने पहले दिन के लिए बुक

माय शो पर 1 लाख टिकट सेल किए है. पहले दिन फिल्म का फुटफॉल 50.19 दर्ज हुआ है, जोकि मॉर्निंग शो का है. सैकनिल्क की मानें तो फिल्म मनकथा ने अपनी री-रिलीज के पहले दिन भारत में अनुमानित 4 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया है. मनक तमिलनाडु के साथ-साथ कर्नाटक में कमा रही है. कर्नाटक में फिल्म ने पहले दिन 20 लाख रुपये का कलेक्शन किया है. ऐसा करके मनकथा कर्नाटक में तीसरी सबसे बड़ी कॉलीवुड ओपनर बन गई है. पहले नंबर पर रजनीकांत की पेडय्पा और थलपति विजय की घिली है. बात करें मनकथा के री-रिलीज सेलिब्रेशन की तो अजित के फैंस का जश्न थिएटर्स में देखते ही बन रहा है. अजित के फैंस ने उनके पोस्टर पर दूध चढ़ाया और जमकर सेलिब्रेशन किया.

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस डे 1 कलेक्शनः धुरंधर को धोया, सनी देओल की फिल्म ने मचाया गदर, सैयारा भी हुई पस्त

बॉर्डर 2 को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है और इसी बदौलत ने फिल्म ने शानदार ओपनिंग भी ली है. बीती 23 जनवरी को रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 ने अपनी रिलीज का पहला दिन पूरा कर लिया है. पहले ही दिन बॉर्डर 2 ने अपनी कमाई से धमाका कर दिया है. हालांकि फिल्म ने उम्मीद से कम कमाई की है, लेकिन बॉर्डर 2 का खाता अच्छी खासी रकम से खुला है. बॉर्डर 2 सनी के करियर की दूसरी बिगेस्ट ओपनिंग फिल्म बन गई है. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 ने अपने पहले दिन की कमाई से किन-किन फिल्मों का पीछे छोड़ा है. सैकनिल्क की मानें तो फिल्म बॉर्डर 2 ने पहले दिन भारत में 30 करोड़ रुपये से खाता खोला है. पहले दिन हिंदी पट्टी में फिल्म का कुल ऑक्यूपेंसी रेट 32.10 फीसदी दर्ज हुआ है. इसमें मॉर्निंग शो में 19.46 फीसदी, ऑफ्टरनून शो में 26.33 फीसदी, इवनिंग शो में 34.55 फीसदी और नाइट शो में 48.06 फीसदी दर्ज हुआ है. सनी देओल बॉर्डर 2 की पहले दिन की कमाई से अपनी मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर 2 का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए हैं. बता दें बॉर्डर (1997) ने पहले दिन 1 करोड़ रुपये से खाता खोला था. 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म बॉर्डर ने 66.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था. साल 2023 में रिलीज हुई गदर 2 ने पहले ही दिन 40 करोड़ रुपये से ज्यादा से खाता खोला

था, लेकिन बॉर्डर 2 ने सनी की फिल्म जाट को जरूर पीछे छोड़ दिया था. जाट ने 10 से 11 करोड़ रुपये से खाता खोला था. इसी के साथ फिल्म बॉर्डर 2 ने डे कलेक्शन से साल 2025 की सबसे कमाऊ फिल्मों में शामिल धुरंधर (28 करोड़ रुपये) और सैयारा (21 करोड़ रुपये) की ओपनिंग कमाई को पीछे छोड़ दिया है. अब बॉर्डर 2 के पास एक हॉलीडे वीकेंड हैं, जिसमें उसके पास मौका है मोटा पैसाना कमाने का. अब देखना हो कि अपने पहले वीकेंड में बॉर्डर 2 भारत में 100 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये कमा पाएगी या नहीं?, क्योंकि फिल्म को सोलो रिलीज मिली है, जिससे उसे बड़ा फायदा मिल सकता है. अनुराग सिंह के डायरेक्शन में बनी फिल्म को फिल्म डायरेक्टर निधि दत्ता की बेटी ने डायरेक्ट किया है.

अजय देवगन होंगे रियलिटी शो द 50 के असली शेर? प्रोमो ने बढ़ाई फैंस की धड़कन

जियोहॉटस्टार का आगामी रियलिटी शो द 50 कई दिनों से लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है। इसमें आने वाले कुछ प्रतियोगियों के नामों का खुलासा तो हो गया, लेकिन शो की थीम, होस्ट और असली शेर यानी, शो चलाने वाले मास्टरमाइंड का खुलासा अब तक नहीं हुआ है। इस बीच, लोगों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने नया प्रोमो जारी किया है। इसे देखकर अटकलें हैं कि अजय देवगन शो के असली शेर हो सकते हैं। द 50 के प्रोमो की शुरुआत बॉलीवुड के सिंघम यानी अजय से होती है जो द 50 का टीजर देख रहे हैं। एक फोन कॉल में उनसे पूछा जाता है कि क्या वह असली शेर हैं। इस पर वह कहते हैं, नहीं यार, मैं नहीं हूं द 50 का शेर। छोटे-मोटे प्रैंक कर सकता हूं, पर ये शो काफी विवादित लग रहा है। अजय खुद को वर्दी वाला शेर बताकर कहते हैं, मैं द 50 का लायन नहीं हूं। बनिजय एशिया द्वारा समर्थित द 50 एक सफल फ्रेंच

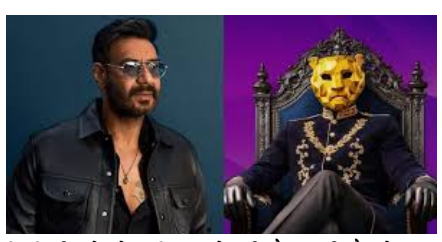

रियलिटी शो लेस सिंकुआंटे की फ्रैंचाइजी है जो अब भारत में शुरुआत कर रही है। फराह खान इसमें होस्ट की जिम्मेदारी संभाल सकती हैं जिसका संकेत एक प्रोमो के जरिए मिल चुका है। शो में 50 प्रतियोगी हिस्सा लेंगे जिनमें करण पटेल, उर्वशी ढोलकिया, शाइनी दोषी, फैसल शेख, दुष्यंत कुकरेजा और दिव्या अग्रवाल के शामिल होने की आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। शो 1 फरवरी से प्रीमियर के लिए तैयार है।

कश्मीर में शूटिंग से उत्साहित निहारिका चौकसे, बोलीं- अनु-आर्य का प्रपोजल सीक्वेंस होगा यादगार

टीवी एक्ट्रेस निहारिका चौकसे को जीटीवी के लोकप्रिय शो तुम से तुम तक में दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। शो में प्यारी और मासूम अनु का किरदार निभा रही निहारिका ने हाल ही में कश्मीर में हुई शूटिंग को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। यूनिट ने कश्मीर के खूबसूरत लोकेशन पर शूटिंग की, जहां बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल ने सीन्स को और भी शानदार बना दिया। निहारिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारी कश्मीर ट्रिप बहुत अच्छी चल रही है। हम यहां अभी तीन और दिनों के लिए हैं और यह शेड्यूल बहुत खास होने वाला है। इसमें शो के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले पलों में से एक दिखाया जाएगा यानी अनु (निहारिका) और आर्य (शरद केलकर) का प्रपोजल। उन्होंने आगे बताया, आने वाले एपिसोड्स में दर्शक अनु को आर्य सर को बचाते हुए देखेंगे। सभी इमोशनल उतार-चढ़ाव के बाद, आर्य सर आखिरकार अपनी फीलिंग्स जाहिर करेंगे और अनु को प्रपोज करेंगे। यह उनकी जर्नी में एक बहुत महत्वपूर्ण और खूबसूरत मोड़ है। पूरी टीम इसे यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। कश्मीर के बारे में निहारिका ने बताया कि यह उनकी पांचवीं या छठी ट्रिप है। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं कश्मीर आती हूं, तो यह उतना ही नया लगता है। कश्मीर सच में मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है और धरती पर स्वर्ग जैसा लगता है। बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल हमारे सीन्स में चार चांद लगा देते हैं। खाने के बारे में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, हम लोकल खाने का भी मजा ले रहे हैं और बेशक, मैं बहुत सारी मैगी खा रही हूं। इस ठंड में गर्म कटोरी मैगी का स्वाद बहुत शानदार और सुकून देने वाला होता है। शॉट्स के बीच गर्म चीज पीना और नजारों का मजा लेना बहुत अच्छा लग रहा है। शो में अनु और आर्य को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। निहारिका ने फैंस से अपील की, मैं अपने सभी फैंस से कहना चाहूंगी कि आपका इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। अनु और आर्य एक साथ आ रहे हैं और प्रपोजल सीक्वेंस बहुत रोमांटिक और इमोशनल होने वाला है। यह शो के सबसे खूबसूरत पलों में से एक होगा, इसलिए इसे मिस न करें और आने वाले एपिसोड्स के लिए बने रहें।

भूमि पेडनेकर की सीरीज दलदल का ट्रेलर जारी, हिंसक दृश्यों को देख कांप उठेगी रूह

प्राइम वीडियो ने आज अपनी नई हिंदी क्राइम थ्रिलर सीरीज 'दलदल का दमदार ट्रेलर जारी किया. यह ट्रेलर कुछ दिन पहले आए असरदार और बेचैन कर देने वाले टीजर के बाद रिलीज हुआ है, जिसे अपनी अलग और डरावनी झलक के लिए खूब सराहना मिली थी. मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी दलदल की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनका किरदार भूमि सतिश पेडनेकर निभा रही हैं. वह एक खतरनाक मिशन पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक निर्दयी सीरियल किलर का पीछा करना होता है. विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब भिंडी बाजार पर आधारित, दंगल को अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है और विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने प्रोड्यूस किया है. एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की यह सीरीज सुरेश त्रिवेनी ने बनाई है और इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है, जिसके दमदार डायलॉग सुरेश त्रिवेनी और हुसैन हैदरी ने लिखे हैं. भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को प्राइम वीडियो पर भारत समेत 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से किया जाएगा. दलदल का ट्रेलर डीसीपी रीटा फरेरा की खौफनाक दुनिया में एक दमदार और तेज रफ्तार सफर दिखाता है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है. टीजर की बेचैन कर देने वाली भावना को आगे बढ़ाते हुए, ट्रेलर में एक के बाद एक क्रूर और सोच-समझकर किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक निर्दयी कातिल की विकृत सोच को उजागर करते हैं. जैसे-जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में और गहराई तक फंसा हुआ पाती है, जो उसे खत्म करने की धमकी देती है. जब वह अपनी सहनशक्ति की हद तक पहुंच जाती है, तो वह अपने अंदर के राक्षसों और एक ऐसे सिस्टम के लगातार दबाव से लड़ते हुए समय के साथ मुकाबला करती है, जो किसी भी कीमत पर नतीजे चाहता है. पेडनेकर की सशक्त और बेबाक अदाकारी कहानी को मजबूती देती है, जो रीटा की कमजोरी, दृढ़ संकल्प और अंदर और बाहर, मौजूद बुराई का सामना करने के मनोवैज्ञानिक असर को दिखाती है. बेहद बेबाक और कमजोर दिल वालों के लिए नहीं, 'दलदल मनोवैज्ञानिक भय को सांस रोक देने वाले सस्पेंस के साथ बखूबी पिरोता है, जहां एक दांव-पेंच भरे बिल्ली-और-चूहे के खेल की नींव रखी जाती है.

US hints at lifting 25 per cent tariff imposed on India for buying Russian oil

New Delhi, Agency: US Treasury Secretary Scott Bessent said there is a "path" to remove the 25 per cent tariffs imposed on India for buying Russian oil, noting that such purchases by Delhi from Moscow have "collapsed".

US President Donald Trump has imposed 50 per cent tariffs on India, including 25 per cent for its purchases of Russian oil, leading to a strain in the bilateral ties between the two countries.

Bessent on Friday defined the sanctions imposed on India as a "success".

"We put 25 per cent tariffs on India for buying Russian oil. And the Indian purchases by their refineries of Russian oil have collapsed. So that is a success. The tariffs are still on. The 25 per cent Russian oil tariffs are still on," Bessent said in an interview with Politico.

I would imagine that there is a path to take them off. So that's a check and a huge success," he added. Bessent also criticised Europe for not imposing tariffs on India. Our virtue-signalling European allies refused to do it (impose tariffs) because they wanted to sign this big trade deal with India," he said.

Bessent accused India of importing and refining more oil from Russia after the invasion of Ukraine. Before the Ukraine invasion, approximately 2 per cent or 3 per cent of Indian oil that went into their refineries came from Russia. The oil was sanctioned. It got deeply discounted and moved up into the high teens — 17,18,19 per cent was being refined. Huge profits from the refiners," he said.

He accused Europe of funding Russia's war by purchasing the oil refined in India.

"But in the ultimate act of irony and stupidity, guess who was buying the refined products from the Indian refineries made from Russian oil, the Europeans. They are financing the war against themselves," he added. When asked if he called the Europeans "stupid", Bessent said, "I said there was an act of stupidity." India and the EU are likely to announce the closure of negotiations for a Free Trade Agreement (FTA) soon. India had described the US action as "unfair, unjustified and unreasonable" while maintaining that its energy policy is guided by its own national interest. India fell to third place among buyers of Russian fossil fuels in December, after Reliance Industries and state-owned refiners sharply reduced their crude oil imports, according to Centre for Research on Energy and Clean Air (CREA).

Large quantity of arms and explosives recovered in Manipur

Imphal, Agency: Security forces in Manipur recovered a huge quantity of arms and explosives during simultaneous operations conducted in various districts over the past 24 hours.

According to official sources, sophisticated weapons as well as locally made weapons, grenades, IEDs and protective equipment were recovered during coordinated search operations in Churachandpur, Imphal West and Imphal East districts.

Security forces seized a huge cache of arms from between Loilamkot and Nalon under Churachandpur police station area in Churachandpur district. The seizure included three RPG ammunition, five 30 mm grenades, a .303 full-action rifle, two medium-range locally produced 'Pumpi' guns, three Pumpi shells, two single-barrel rifles and ten SBBL cartridges, indicating the presence of heavy and illegal weapons in the area.

Himachal administration working to reopen 1,000 blocked roads, weather alert again

Shimla, Agency: After the snowfall in Himachal Pradesh stopped, the weather cleared on Sunday, and sunshine shone in many areas, including the capital Shimla. This brought a sigh of relief to the people, but life has not yet fully returned to normal.

Snow in the state's mountainous regions continues to severely impact transportation, electricity, and drinking water. The administration's biggest challenge is reopening over 1,000 blocked roads, and work is underway on a war footing.

According to the State Emergency Operations Center, over 1,000 roads, including two national highways, remain closed. Shimla district is the worst affected, with 505 roads closed. 290 roads are blocked in Lahaul-Spiti, 132 in Chamba, 126 in Mandi, 79 in Kullu, and 29 in Sirmaur. Traffic has come to a complete halt in Lahaul-Spiti due to the blockage of two national highways. Rohru, Chaupal, Jubbal, and Kotkhai areas of Upper Shimla remain cut off from the district headquarters for the third day, and bus services to these areas have not been restored.

The snowfall has also severely affected power supply. 5,775 transformers are out of order across the state. The highest number of transformers are out of order, with 3,315 in Sirmaur, followed by 643 in Chamba, 587 in Mandi, 78 in Kinnaur.

3 killed, 15 injured as omnibus rams parked vehicle near Tamil Nadu's Madurai

Tamil Nadu, Agency: Three persons, including two women, were killed and over 15 others sustained injuries after a private omnibus rammed into another stationary bus near Melur here in the early hours of Sunday, police said.

The accident occurred on the Trichy-Madurai National Highway at Pallapatti, within the Kottampatti police limits.

According to police sources, a private omnibus traveling from Chennai to Madurai had pulled over at a roadside tea stall in the Pallapatti suburban area. While the driver was away, another private omnibus — en route from Chennai to Marthandam — lost control and crashed into the rear of the parked vehicle with significant impact.

The collision resulted in the immediate death of three passengers: Kanagaranjitham (65),

Sudarshan (23) and an unidentified female passenger.

More than 15 passengers from both buses sustained various degrees of injuries. Local residents rushed to the spot and assisted in the rescue operations. The injured were transported via 108 ambulances and private vehicles to government hospitals in Melur and Madurai for treatment.

Upon receiving the information, a police team led by Melur Deputy Superintendent of Police Sivakumar and personnel from the Kottampatti station arrived at the scene to oversee rescue efforts and clear the highway traffic.

CBI officer who supervised RG Kar rape-murder case gets police medal

NewDelhi,Agency:V Chandrasekhar, the CBI joint director who supervised the probe in the rape and murder case of a doctor of Kolkata's RG Kar Medical College, is among 31 officers of the central agency awarded police medals on the occasion of the 77th Republic Day.

A 2000-batch IPS officer from the Gujarat cadre, Chandrasekhar, has been awarded the coveted President's Medal for Distinguished Service on the occasion of Republic Day, according to the list issued by the government on Sunday.

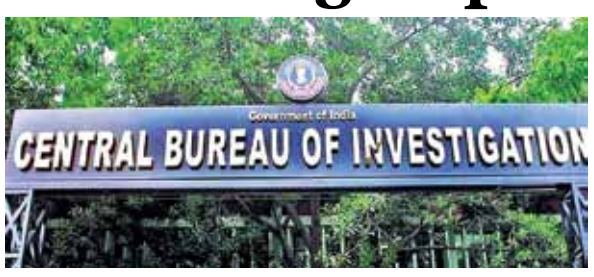

As joint director of the agency, the officer supervised the probe into the gruesome rape and murder of the trainee doctor in the hospital, leading to the conviction of the main accused in the case within months of filing the chargesheet.

Superintendent of Police Amit Srivas tava, Addi tional Superin tendent of Police Mukesh Sharma, Sub-Inspector Pramod Kumar Yati, Assistant Sub-Inspector Cha man Lal, and Head Constable Ramu Golla have also been awarded the President's Medal for Distinguished Ser vice.

Twenty-five officers of the agency have been awarded the police medal for Meritorious Service. This includes 2007-batch IPS officer C Venkata Subba Reddy, posted as joint director in the agency and his batchmate Sadanand Shakarrao Date, who left the agency as DIG to join his cadre as inspector general.

Deputy Legal Advisor Manmohan Sharma; Additional SPs Baidyanath Samal and Kailash Sahu; Deputy SPs Rubi Choudhary, Manish Kumar Upadhyay, Anmol Sachan, Nishu Kushwaha, Arijit Sinha, Sharad Suresh Bhawar, Thahir Abbas P and Dharmendra Kumar are among those awarded the Police Medal for Meritorious Service (PMMS).

Stray dog culling in Telangana sparks row

Telangana, Agency: In a fresh incident of alleged stray dogs killing in Telangana, around 300 canines were allegedly killed in Jagtial district, taking the toll to 900, animal rights activists claimed.

The killings are suspected to have been carried out by some elected representatives, including sarpanches, allegedly to fulfil promises made to villagers ahead of gram panchayat elections held in December last year, to address the stray dog menace.

The latest incident came to light after a complaint was lodged, alleging that 300 stray dogs were killed in Pegadapally village by administering poisonous injections on January 22.

Blaming the sarpanch and gram panchayat secretary for the gruesome act, the complaint alleged that the former hired few individuals to kill

the strays. Based on the complaint, the police have registered an FIR against the duo under relevant sections of the BNS and Prevention of Cruelty to Animals Act.

Inspector Ch Kiran said around 70 to 80 dog carcasses had been exhumed from the burial site. In January alone, several incidents of stray dog killings were reported in the state. As per the complaint lodged by animal rights activists, 100 dogs were allegedly poisoned to death at Yacharam village near here on January 19 though 50 carcasses were found immediately. Earlier this month, the police in Hanamkonda had booked nine persons, including two women sarpanches and their husbands, in connection with the alleged killing of around 300 stray dogs in Shayampet and Arepally villages.

Over 70 wanted fugitives tracked overseas during 2024-25: Govt

New Delhi, Agency: Over 70 fugitives, wanted by India, were located abroad during 2024-25, according to an official report.

As many as 203 fugitives wanted by other countries were detected/located in India during the same period.

A total of 71 "wanted persons/fugitives wanted by India" were located abroad in 2024-25, according to the annual report of the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions.

The number of such wanted fugitives located abroad is the highest in the over a decade time, officials claimed. A total of 27 fugitives/wanted persons returned to India from abroad in the last financial year, said the ministry's annual report for 2024-25. It also gave details on the working of the CBI, which acts as the National Central Bureau NCB, the nodal point for Interpol in India. During the period of April

2024 to March 2025, 74 Letters Rogatory (LRs) were sent abroad, out of which 54 pertained to CBI cases and 20 of them to state law enforcement and other Central agencies, the report said.

Letters Rogatory is a judicial request to authorities abroad to seek cooperation in a probe being conducted by Indian investigating agencies. It was confirmed by Indian law enforcement agencies, including CBI, that 47 LRs were fully executed during the said period and 29 were disposed of as closed/withdrawn on partial execution.

Palash Mucchal sends legal notice to actor over cheating claims; seeks Rs 10 cr in damages

New Delhi, Agency: Music composer and filmmaker Palash Mucchal has sent a legal notice to a Marathi actor, seeking Rs 10 crore in damages for defamation over the latter's allegations of cheating.

Earlier this week, Vidnyan Mane, a 34-year-old actor-producer, approached the police in Maharashtra's Sangli district, alleging that Mucchal had cheated him of Rs 40 lakh.

Mucchal's lawyer, Shreyansh Mithare, claimed that no money had come to the composer-filmmaker.

The allegations are baseless and made with the intention to defame Mucchal, his lawyer said.

"We have sent a legal notice to Mane, a Sangli resident, seeking Rs 10 crore in damages for defamation," he added.

Mucchal took to social media to write about the legal step he had initiated against Mane for the "false, outrageous and highly defamatory accusations" the latter had made with the deliberate intent to malign his reputation and character.

Mane, in his application submitted to the Sangli Superintendent of Police, sought an FIR against Muchhal.

The complainant has stated that Muchhal met him in Sangli on December 5, 2023.

As Mane showed interest in investing in film production, Muchhal said he could invest in his upcoming project, 'Nazaria', as a producer, the complaint stated.

India tops global female STEM enrolment with 43 share

New Delhi, Agency: India has achieved the highest rate of female participation in STEM (science, technology, engineering and mathematics).

A total of 27 fugitives/wanted persons returned to India from abroad in the last financial year, said the ministry's annual reportfor Distinguished Service on the occasion of Republic Day, according to the list issued by the government on Sunday. This includes 2007-batch IPS officer C Venkata Subba Reddy, posted as joint director in the agency and his batchmate Sadanand Shakarrao Date, who left the agency as DIG to join his cadre as inspector general. for education globally, with women making up 43 per cent of all enrolments in such disciplines in the country.